Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 29
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 05 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

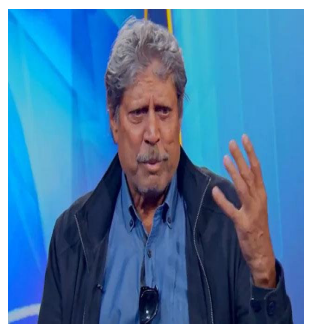

3 श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सनातन संस्कृति ... 4 हिमालय क्षेत्र की बर्बादी से नेताओं को नहीं... 7 एशियन गेम्स 2026 से पहले मुख्य कोच...

संक्षिप्त न्यूज

लोकसभा में नेहरू पर निशिकांत दुबे की टिप्पणी से बवाल, कांग्रेस सांसदों ने किया भारी हंगामा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बुधवार को लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा अपने भाषण के दौरान की गई एक विवादास्पद टिप्पणी पर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। कुछ पुस्तकों का हवाला देते हुए दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी पर टिप्पणी की, जिससे कांग्रेस पार्टी नाराज हो गई। बाद में कांग्रेस सांसद स्पीकर ओम बिरला के कार्यालय में दुबे के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे, जिसके चलते संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत भाजपा सांसदों के साथ उनकी बहस हो गई। दुबे भी वहां मौजूद थे।

अपनी शिकायत में कांग्रेस ने पूछा कि दुबे को एक किताब से उद्धरण देने की अनुमति क्यों दी गई? अलग-अलग नियम क्यों हैं? उन्होंने नेहरू और इंदिरा गांधी के खिलाफ अपमानजनक व्यक्तिगत टिप्पणियां क्यों कीं? कांग्रेस की शिकायत इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख एमएम नरवणे के संस्मरण पर आधारित गलवान घाटी संघर्ष की पुस्तक का हवाला देने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, सरकार का तर्क था कि राहुल गांधी जिस पुस्तक का हवाला देना चाहते थे, वह अप्रकाशित है और स्पीकर ओम बिरला ने भी इस मामले में विपक्ष के नेता के खिलाफ फैसला सुनाया।

भारत-चीन संघर्ष पर राहुल गांधी को बोलने की अनुमति न दिए जाने के बाद से सोमवार से लोकसभा में बार-बार स्थगन हो रहा है। कई विपक्षी सांसदों ने भी कांग्रेस नेता के समर्थन में बोलने से इनकार कर दिया।

लोकसभा में हंगामे के चलते पीएम मोदी नहीं दे सके जवाब, राज्यसभा में चर्चा जारी

नई दिल्ली। लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित संबोधन हंगामे के कारण टाल दिया गया। दिनभर चले विरोध, नारेबाजी और बार-बार स्थगन के बाद शाम को जब कार्यवाही फिर से शुरू हुई, तब हालात और बिगड़ गए। इसके बाद कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

भाजपा का आरोप, विपक्ष पर गंभीर सवाल

संबोधन टालने पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आरोप लगाया कि यह विरोध पहले से तय योजना के तहत किया गया था। उनका दावा है कि महिला सांसद प्रधानमंत्री की सीट के आसपास घेराव जैसी स्थिति बना रही थीं। उन्होंने कहा कि स्थिति डराने वाली थी और संसदीय कार्य मंत्री कंवल जीत सिंह ढिल्लों की तत्परता से हालात काबू में आए। वहीं, विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक विरोध बताया। धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा अब अगली बैठक में जारी रहने की संभावना है।

मनोज तिवारी ने आगे बताया कि शाम करीब पांच बजे जब सदन फिर से शुरू हुआ और प्रधानमंत्री के जवाब की उम्मीद

थी, तभी विपक्ष की कुछ महिला सांसद ट्रेजरी बेंच की सीटों के पास पहुंच गईं। इनमें वर्षा गायकवाड़ और ज्योतिमणि शामिल थीं। उन्होंने 'यू व्हॉट इज राइट' लिखा बड़ा बैनर पकड़ रखा था। यह विरोध एक दिन पहले निलंबित किए गए आठ विपक्षी सांसदों के समर्थन में बताया गया। महिला सांसदों ने प्रधानमंत्री की सीट के आसपास खड़े होकर विरोध जताया।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

प्रधानसंत्री के संबोधन न होने पर भी नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडियो साझा कर कहा कि जैसा उन्होंने पहले कहा था, पीएम सदन में नहीं आएंगे क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं करना चाहते। वीडियो में राहुल गांधी दोपहर के समय यह कहते दिखे कि यदि प्रधानमंत्री आते तो वे उन्हें एक किताब देते और उस पर चर्चा की मांग करते।

क्या हुआ सदन में, कैसे बढ़ा हंगामा?

सदन में विवाद की शुरुआत उस मुद्दे से हुई जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को पूर्व सेना प्रमुख की अप्रकाशित किताब का हवाला देने से रोका गया। इसी मुद्दे पर विपक्षी दल लगातार विरोध कर रहे थे। कार्यवाही के दौरान कई बार स्थगन हुआ। दोपहर से ही नारेबाजी और विरोध जारी रहा, जिससे सामान्य कामकाज प्रभावित हुआ।

पीठासीन सभापति ने कार्यवाही स्थगित की

उस समय स्पीकर की जगह पीठासीन सभापति संध्या राय सदन चला रही थीं। उन्होंने व्यवस्था बनाए रखने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहा। ट्रेजरी बेंच के पास विरोध जारी रहने पर कार्यवाही स्थगित कर दी गई। बाद में कई केंद्रीय मंत्रियों के समझाने पर महिला सांसद वहां से हटीं। लेकिन तब तक प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं हो सका और दिन की कार्यवाही खत्म कर दी गई।

मलेशिया से 'रणनीतिक साझेदारी' को नई धार, पीएम मोदी का दो दिवसीय अहम दौरा

माले। विदेश मंत्रालय (एमईए) के आधिकारिक वक्तव्य के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 7 से 8 फरवरी तक प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम के निमंत्रण पर मलेशिया के कुआलालंपुर की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह प्रधानमंत्री की मलेशिया की तीसरी यात्रा होगी और अगस्त 2024 में भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को 'व्यापक रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिए जाने के बाद पहली यात्रा होगी। इस यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। प्रधानमंत्री भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ उद्योग और व्यापार प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। वक्तव्य में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान 10वां भारत-मलेशिया सीईओ फोरम भी आयोजित किया जाएगा। भारत और मलेशिया ऐतिहासिक, सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता के बंधन साझा करते हैं। मलेशिया में रहने वाले 29 लाख भारतीय प्रवासी, जो विश्व में तीसरे सबसे बड़े हैं, की उपस्थिति से यह संबंध और भी मजबूत होता है। भारत-मलेशिया संबंध बहुआयामी और विकसित हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री की आगामी यात्रा दोनों नेताओं के लिए व्यापार और निवेश, रक्षा, सुरक्षा और समुद्री सहयोग से लेकर डिजिटल और वित्तीय प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, संस्कृति, पर्यटन और जन-संबंधों तक फैले द्विपक्षीय सहयोग के सभी पहलुओं की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करती है; साथ ही पारस्परिक लाभ के लिए भविष्य में सहयोग की दिशा तय करने का भी अवसर देती है।

हिमाचल रोडवेज बस दुर्घटना के पीड़ितों से मिले सीएम धामी, दून अस्पताल पहुंचकर जाना हालचाल

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को देहरादून के दून अस्पताल का दौरा कर हिमाचल रोडवेज बस दुर्घटना के पीड़ितों से मुलाकात की। अपने दौरे के दौरान, मुख्यमंत्री ने स्वयं घायलों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और उपस्थित डॉक्टरों को निर्देश दिया कि दुर्घटना से प्रभावित सभी लोगों को उचित और व्यापक चिकित्सा उपचार मिले। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को उत्तराखंड के कालसी क्षेत्र के क्वानू के पास एक हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एचआरटीसी) की बस डूंगा बैंसी इलाके से गुजरते समय एक गहरी खाई में गिर गई, जिसमें कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। यह बस हिमाचल प्रदेश के चौपाल से उत्तराखंड होते हुए उसी राज्य के पांवटा साहिब जा रही थी और दुर्घटना के समय उसमें लगभग 32 यात्री सवार थे।

घटना के बाद, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एचआरटीसी बस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और दुर्घटना का विवरण प्राप्त करने के लिए फोन किया। उन्होंने उपायुक्त को मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता और घायलों को सर्वोत्तम संभव उपचार प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो, तो घायलों को ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का भी उपयोग किया जाना चाहिए।

दूसरे चरण में होगी जातिगत जनगणना, सवाल पहले होंगे अधिसूचित, सरकार ने संसद में दी जानकारी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को संसद को बताया कि जनगणना 2027 के दौरान जाति गणना दूसरे चरण में कराई जाएगी। यह चरण जनसंख्या गणना कहलाता है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति से जुड़े जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य विवरण एकत्र किए जाएंगे।

राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि केंद्र सरकार की जनगणना 2027 कराने की मंशा अधिसूचित कर दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दूसरे चरण के लिए जाति से जुड़े सवालों सहित सभी प्रश्न निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अंतिम रूप देकर, चरण शुरू होने से पहले अधिसूचित किए जाएंगे। मंत्री ने बताया कि जाति गणना को लेकर तमिलनाडु सहित कई राज्यों के विभिन्न संगठनों से प्रतिनिधित्व प्राप्त हुए हैं।

जनगणना दो चरणों में होती है

पहला चरण (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन-एचएलओ): इसमें प्रत्येक परिवार की आवास स्थिति, संपत्तियां, सुविधाएं आदि का विवरण लिया जाता है।

दूसरा चरण (पॉपुलेशन एन्यूमरेशन-पीई): इसमें हर व्यक्ति के जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक विवरण जुटाए जाते हैं।

पहले चरण के प्रश्न अधिसूचित किए जा चुके हैं

सरकार ने बताया कि पहले चरण के प्रश्न 22 जनवरी को अधिसूचित किए जा चुके हैं, जबकि दूसरे चरण के प्रश्न, जिसमें जाति से जुड़े सवाल भी शामिल होंगे। दूसरे चरण से पहले अधिसूचित किए जाएंगे।

डिजिटल उपकरण से होगी गणना

यह विशाल प्रक्रिया देशभर में करीब 30 लाख गणनाकर्ताओं व पर्यवेक्षकों और लगभग 1.3 लाख जनगणना अधिकारियों द्वारा किया जाएगा, जिन्हें डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। मंत्री ने यह भी कहा कि मोबाइल एप्स, सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम और स्व-गणना पोर्टल विकसित किए जा चुके हैं। डेटा संग्रह, प्रसारण और सर्वर-स्तर पर उचित सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि मोबाइल एप्स में ऑफलाइन डेटा संग्रह की सुविधा होगी। केवल अपरिहार्य परिस्थितियों में कागजी फॉर्म का उपयोग होगा और तब डेटा चार्ज स्तर पर ही डिजिटाइज किया जाएगा। गणनाकर्ता घर-घर जाकर डेटा एकत्र करेंगे ताकि किसी भी आधार पर बहिष्करण न हो। स्व-गणना की सुविधा अतिरिक्त विकल्प के रूप में उपलब्ध रहेगी।

इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से दिसंबर में नौ लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित, खुली एयलाइंस की पोल

नई दिल्ली। दिसंबर महीने में घरेलू हवाई यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को उड़ान रद्द होने की वजह से परेशानी उठानी पड़ी। नागरिक उड्डयन नियामक डीजीसीए के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में 10 लाख से ज्यादा यात्री फ्लाइट कैंसिलेशन से प्रभावित हुए। इनमें सबसे ज्यादा असर इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से पड़ा। रिपोर्ट के मुताबिक कुल प्रभावित यात्रियों में 93 प्रतिशत से ज्यादा केवल इंडिगो से जुड़े थे।

कितने यात्री हुए प्रभावित, कितना खर्च हुआ?

डीजीसीए के आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में फ्लाइट कैंसिलेशन से 10.46 लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। एयरलाइनों को इन यात्रियों के लिए मुआवजा और सुविधाओं पर कुल 24.27 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े। इसमें अकेले इंडिगो की रद्द उड़ानों से 9.82 लाख यात्री प्रभावित हुए। इंडिगो ने प्रभावित यात्रियों की सुविधा और मुआवजे पर 22.74 करोड़ रुपये खर्च

किए। यह कुल खर्च का बड़ा हिस्सा है।

कैंसिलेशन रेट और इंडिगो की स्थिति क्या रही?

दिसंबर में सभी निर्धारित घरेलू एयरलाइनों की कुल उड़ान रद्द दर 6.92 प्रतिशत रही। वहीं इंडिगो की कैंसिलेशन दर इससे ज्यादा 9.65 प्रतिशत दर्ज की गई। दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो को बड़े स्तर पर परिचालन व्यवधान का सामना करना पड़ा। इसका असर उसके बाजार हिस्से पर भी दिखा। इंडिगो की मार्केट शेयर नवंबर के 63.6 प्रतिशत से घटकर दिसंबर में 59.6 प्रतिशत रह गई।

यात्रियों की शिकायतें और देरी का असर कितना रहा?

डीजीसीए के मुताबिक दिसंबर में घरेलू एयरलाइनों को कुल 29,212 यात्री शिकायतें मिलीं। यह औसतन प्रति 10 हजार यात्रियों पर करीब 20.41 शिकायतें बनती हैं। उड़ानों में देरी से भी बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए। दिसंबर में फ्लाइट डिले से 8.34 लाख यात्री प्रभावित हुए। देरी की स्थिति में यात्रियों को सुविधा देने पर एयरलाइनों ने 4.50 करोड़ रुपये खर्च किए।

बोर्डिंग से इनकार और मुआवजा डेटा क्या कहता है?

रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर में 2,050 यात्रियों को एयरलाइनों ने बोर्डिंग देने से इनकार किया। इस मामले में मुआवजा और सुविधा पर 2.08 करोड़ रुपये खर्च किए गए। साल 2025 के जनवरी से दिसंबर के बीच घरेलू एयरलाइनों ने कुल 1,669.46 लाख यात्रियों को यात्रा कराई। यह पिछले साल की समान अवधि से 3.48 प्रतिशत ज्यादा है, हालांकि मासिक आधार पर 4.14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई।

यूपी के संविदा शिक्षकों को राहतः

सुप्रीम कोर्ट बोला- 17 हजार वेतन दो, सात हजार पर काम कराना बंधुआ मजदूरी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के उच्च प्राथमिक स्कूलों में काम कर रहे हजारों संविदा शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने साफ कहा है कि इन शिक्षकों को सिर्फ 7 हजार रुपये पर लंबे समय तक काम कराना अन्यायपूर्ण है और यह जबरन श्रम यानी 'बेगार' यानी बंधुआ मजदूरी की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने राज्य सरकार की अपील खारिज करते हुए शिक्षकों के पक्ष में बड़ा आदेश दिया है।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का मुख्य आदेश?

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने फैसला दिया कि संविदा शिक्षकों को वर्ष 2017-18 से 17 हजार रुपये मासिक मानदेय का अधिकार है। अदालत ने कहा कि 11 महीने के अनुबंध के नाम पर साल दर साल काम लेते रहना और वेतन न बढ़ाना गलत है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार 1 अप्रैल 2026 से 17 हजार रुपये प्रतिमाह के हिसाब से भुगतान शुरू करे। साथ ही बकाया राशि छह महीने के भीतर चुकाई जाए। अदालत ने कहा कि जो शिक्षक लगातार 10 साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं, उन्हें व्यवहार में

स्थायी माना जाएगा।

'बेगार' क्यों माना गया कम मानदेय?

अदालत ने कहा कि इन शिक्षकों का मानदेय हमेशा के लिए सात हजार रुपये तय रखना अनुचित श्रम व्यवहार है। यह संविधान के अनुच्छेद 23 का उल्लंघन है, जो बेगार और जबरन श्रम पर रोक लगाता है। कोर्ट ने कहा कि शिक्षक लगातार काम कर रहे हैं, पद भी निरंतर बने हुए हैं, इसलिए काम की प्रकृति स्थायी है। ऐसे में इन्हें सिर्फ अस्थायी बताकर कम भुगतान नहीं किया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि मानदेय की समय-समय पर समीक्षा होनी चाहिए, कम से कम हर तीन साल में संशोधन जरूरी है।

भर्ती कैसे हुई और विवाद कैसे शुरू हुआ?

राज्य में सर्व शिक्षा अभियान के तहत वर्ष 2013 में कक्षा 6 से 8 के लिए पार्ट टाइम संविदा शिक्षकों की भर्ती का विज्ञापन निकला था। इन्हें 11 महीने के अनुबंध पर 7 हजार रुपये मानदेय पर रखा गया। शर्त यह भी थी कि वे कहीं और नौकरी नहीं करेंगे।

ईसी से भिड़ंत के बाद सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं ममता बनर्जी, बंगाल एसआईआर केस पर बड़ी सुनवाई

नई दिल्ली।पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन को लेकर चल रहे विवाद के बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को सर्वोच्च न्यायालय पहुंचीं, क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय आज इस मामले की सुनवाई करेगा। मुख्यमंत्री इस संबंध में न्यायालय के समक्ष पेश होंगी। सुनवाई से पहले सर्वोच्च न्यायालय जाने के लिए वह आज सुबह तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास से रवाना हुईं। इसके अलावा, सुनवाई से पहले सुप्रीम कोर्ट में भारी सुरक्षा तैनात की गई थी। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने भारत निर्वाचन आयोग को तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 'तार्किक विसंगति' सूची में वर्गीकृत मतदाताओं के नाम प्रकाशित करने का निर्देश दिया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने तमिलनाडु में प्रक्रियात्मक अनियमितताओं के आधार पर एसआईआर प्रक्रिया को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए। कोर्ट ने कहा कि ये नाम ग्राम पंचायत भवनों, प्रत्येक उपमंडल के तालुका कार्यालयों और शहरी क्षेत्रों के वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित किए जाने चाहिए। जिन लोगों के नाम सूची में हैं, वे प्रदर्शन की तारीख से 10 दिनों के भीतर व्यक्तिगत रूप से या अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

सूची में विसंगतियों के संक्षिप्त कारण भी बताए जाने चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने सभी जिला कलेक्टरों को चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करने और एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कर्मियों की तैनाती का निर्देश दिया। ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी, पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी और अन्य लोगों के साथ सोमवार को नई दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की।

मणिपुर संकट के बीच केंद्र का बड़ा फैसला

राष्ट्रपति शासन हटा, अब बीजेपी सरकार संभालेगी कमान

इंफाल। गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की अधिसूचना जारी की। भारत के राजपत्र (असाधारण) में प्रकाशित एक 'घोषणा' के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मणिपुर राज्य के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 356(2) के तहत जारी की गई घोषणा को निरस्त कर दिया है। पिछली घोषणा 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई थी। राष्ट्रपति द्वारा बुधवार (4 फरवरी, 2026) को हस्ताक्षरित नई घोषणा में कहा गया है कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वापस ले लिया गया है। घोषणा में लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के खंड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, द्रौपदी मुर्मू, भारत के राष्ट्रपति, उक्त अनुच्छेद के तहत 13 फरवरी, 2025 को मणिपुर राज्य के संबंध में मेरे द्वारा जारी की गई घोषणा को 4 फरवरी, 2026 से निरस्त करता/करती हूं। यह कदम भाजपा द्वारा मंगलवार को दो बार के विधायक युम्नाम खेमचंद सिंह को संघर्षग्रस्त मणिपुर में विधायक दल का नेता घोषित करने और उन्हें राज्य का अगला मुख्यमंत्री नामित करने के एक

दिन बाद उठाया गया है। यह निर्णय भाजपा मुख्यालय में पार्टी के विधायकों की बैठक में लिया गया। शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होगा।

सिंह के दो उपमुख्यमंत्री होंगे, एक कुकी-ज़ो समुदाय से और दूसरा नागा समुदाय से। कांगपोकपी विधायक नेमचा किपगेन को उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया है। गठबंधन सहयोगी नागा पीपुल्स फ्रंट द्वारा जल्द ही नागा उपमुख्यमंत्री के नाम की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। 62 वर्षीय खेमचंद सिंह मैतेई समुदाय के सदस्य और एक इंजीनियर हैं। वे पूर्व बीरेन सिंह सरकार में नगर प्रशासन मंत्री के रूप में कार्य कर चुके हैं। 2022 में, वे मुख्यमंत्री पद के दावेदारों में से एक के रूप में उभरे थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पिछले साल 13 फरवरी को मणिपुर के राज्यपाल से संवैधानिक शासन व्यवस्था के टूटने का हवाला देते हुए एक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था। यह निर्णय 9 फरवरी, 2025 को मणिपुर के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के कुछ दिनों बाद लिया गया। उनका इस्तीफा राज्य में लगभग दो वर्षों से व्याप्त जातीय हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता के बीच आया था।

कर्नाटक विधानसभा ने वीबी-जी राम जी के खिलाफ पारित किया प्रस्ताव, मनरेगा को बहाल करने की मांग

बंगलूरू। कर्नाटक विधानसभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार से तत्काल वीबी-जी राम जी को रद्द करने और मनरेगा को बहाल करने की अपील की गई। इस दौरान विपक्षी भाजपा और उसकी सहयोगी जद (एस) ने वॉकआउट किया। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को यह प्रस्ताव पेश किया था, जिसे आज सदन ने स्वीकार किया। प्रस्ताव में कहा गया कि केंद्र की ओर से एकतरफा लागू किया गया वीबी-जी राम जी कानून संघीय सिद्धांतों और ग्रामीण लोगों के आजीविका के अधिकार के खिलाफ है।

भाजपा ने विरोध करते हुए क्या कहा?

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि भाजपा इस प्रस्ताव का विरोध करती है और विकसित भारत-रोजगार गारंटी और आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) का समर्थन करती है। उन्होंने यह भी दोहराया कि आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर को इस्तीफा देना चाहिए,क्योंकि आबकारी विभाग में कथित तौर पर करीब छह करोड़ का भ्रष्टाचार हुआ है।

भाजपा नेता ने मंगलवार को आरोप लगाया कि इस कथित घोटाले के पैसे का इस्तेमाल चुनावी राज्यों में कांग्रेस को फंडिंग के लिए किया गया। भाजपा ने कर्नाटक विधानसभा में रातभर हंगामा किया, जो बुधवार तक जारी रहा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात जाम पर उपमुख्यमंत्री ने गंभीर संज्ञान लिया

तत्काल आपातकालीन परिवहन योजना तैयार करने के निर्देश- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

दिव्यांश

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर बोरघाट क्षेत्र में गैस टैंकर के दुर्घटनाग्रस्त होने से हुए भारी यातायात जाम और वाहन चालकों को हुई असुविधा पर एकनाथ शिंदे ने गंभीर संज्ञान लिया है। उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) तथा पुलिस को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के लिए विशेष आपातकालीन यातायात योजना तत्काल तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

दुर्घटना में गैस टैंकर पलटने से ज्वलनशील प्रोपाइलीन गैस का रिसाव हुआ, जिससे बड़े खतरे और संभावित नुकसान की आशंका थी। ऐसी स्थिति में यातायात को नियंत्रित करना अनिवार्य हो गया, जिसके कारण एक्सप्रेसवे का ट्रैफिक पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग की ओर मोड़ना पड़ा। एमएसआरडीसी और पुलिस ने करीब 20 घंटे के अथक प्रयास के बाद गैस रिसाव को रोका। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को

हुई परेशानी दुर्भाग्यपूर्ण है और वे उनकी पीड़ा से पूरी तरह अवगत हैं। उन्होंने बताया कि एमएसआरडीसी ने तत्काल राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की मदद भी ली। चूंकि कार्य अत्यंत चुनौतीपूर्ण था और जान-माल के नुकसान की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता था, इसलिए भारत पेट्रोलियम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के विशेषज्ञों को बुलाया गया। इन टीमों ने गैस रिसाव को नियंत्रण में लाया।

इस दौरान एमएसआरडीसी की ओर से यात्रियों को पेयजल और बिस्किट बड़ी मात्रा में उपलब्ध कराए गए। सभी अधिकारी और कर्मचारी सड़क पर तैनात रहे। उपमुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि इस अवधि में टोल वसूली न की जाए और जब तक यातायात व्यवस्था सामान्य नहीं हो जाती, तब तक टोल संग्रह स्थगित रखा जाए।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने मुंबई-पुणे 'मिसिंग लिंक' परियोजना का कार्य शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने और इसे जल्द शुरू करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस लिंक के शुरू होने से मुंबई और पुणे के बीच दूरी कम होगी और ऐसी आपात स्थितियों में वैकल्पिक परिवहन मार्ग उपलब्ध रहेगा। इस संदर्भ में उन्होंने एमएसआरडीसी और पुलिस अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर आपातकालीन योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

'भुसावल मंडल में रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य आयोजन'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल पर दिनांक 04 फरवरी 2026 को रेल सेवा पुरस्कार समारोह का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के 107 रेलवे कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्य एवं समर्पित सेवाओं के लिए माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय श्री पुनीत अग्रवाल जी के कर-कमलों द्वारा रेल सेवा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी कर्मचारियों में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कर्मचारियों ने इस सम्मान के लिए माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक महोदय जी ने पुरस्कार प्राप्त कर्मचारियों को बधाई देते हुए उन्हें अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट कार्य करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने सभी कर्मचारियों की सराहना करते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने

हेतु अपर मंडल रेल प्रबंधक (प्रशासनिक) श्री सुनील कुमार सुमन जी का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (तकनीकी) श्री मुकेश कुमार मीना, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, भुसावल श्री दिलीप रं. खरात सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री आकाश व्यास द्वारा किया गया तथा धन्यवाद प्रस्ताव श्री व्ही. एस. वडनेरे, सहायक कार्मिक अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री सुरेन्द्र हिवाले, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), समस्त सहायक कार्मिक अधिकारीगण, कार्मिक एवं कल्याण निरीक्षक, कल्याण अनुभाग तथा कार्मिक शाखा के कर्मचारी, जनसंपर्क विभाग (पीआरओ), चिकित्सा विभाग, इंजीनियरिंग विभाग, एस. एंड टी. विभाग, विद्युत विभाग तथा आर.पी.एफ. विभाग का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

श्री सहर्ष बाजपाई ने पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार ग्रहण किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारतीय रेल कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) के 1999 बैच के वरिष्ठ अधिकारी श्री सहर्ष बाजपाई ने मंगलवार, 03 फरवरी 2026 को पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी का पदभार ग्रहण किया।

इससे पूर्व श्री बाजपाई भारतीय रेल में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं कार्मिक संबंधी पदों पर अपनी सेवाएँ दे चुके हैं। उन्होंने उत्तर पूर्वोत्तर रेलवे, मध्य रेल तथा महाराष्ट्र मेट्रो में प्रमुख जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है। उनके द्वारा संभाले गए प्रमुख पदों में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, पुणे; अध्यक्ष, रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ, मध्य रेल; उप मुख्य कार्मिक अधिकारी; अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, पुणे; महा मेट्रो में महाप्रबंधक (मानव संसाधन); तथा मध्य रेल में प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

श्री सहर्ष बाजपाई ने सिंगापुर स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी से लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर (एमपीए) की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें मानव संसाधन प्रबंधन, कार्मिक प्रशासन एवं नीति निर्माण के क्षेत्र में व्यापक और समृद्ध अनुभव प्राप्त है। अपने सेवाकाल के दौरान वे मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने, कार्मिक प्रशासन में सुधार लाने तथा कर्मचारी-केंद्रित प्रशासनिक प्रणालियों को प्रोत्साहित करने में सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं।

फील्ड इकाइयों एवं मुख्यालय स्तर पर प्राप्त उनके व्यापक अनुभव ने उन्हें कार्मिक प्रबंधन के प्रति संतुलित, व्यावहारिक एवं दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने में सक्षम बनाया है। श्री बाजपाई ने सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया तथा चीन स्थित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सहभागिता की है, जिससे उनके प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय कौशल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी समृद्धि मिली है।

महाप्रबंधक द्वारा मध्य रेल के 12 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

श्री प्रतीक गोस्वामी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने दिनांक 03.02.2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई में आयोजित एक समारोह में मध्य रेल के 12 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

यह संरक्षा पुरस्कार संबंधित कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान उनकी सतर्कता, अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और पिछले महीनों के दौरान ट्रेन परिचालन में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए। प्रत्येक पुरस्कार में एक पदक, प्रशंसा पत्र, अनुकरणीय संरक्षा कार्य प्रशस्ति पत्र और ?3500/- का नकद पुरस्कार शामिल है।

पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का विवरण

मुंबई मंडल

श्री लक्ष्मण रघुनाथ जाखरे, काटेवाला, अटगांव मुंबई मंडल, दिनांक 02.01.2026 को ड्यूटी के दौरान लोकल ट्रेन में चढ़ते समय एक यात्री को प्लेटफॉर्म एवं ट्रेन के बीच गिरते देखा। उन्होंने तत्परता से हस्तक्षेप कर यात्री को संभावित गंभीर दुर्घटना से बचाया। उनकी सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से एक अप्रिय घटना टल गई।

पंढरीनाथ सोमा नाडेकर, ट्रेन मैनेजर, कल्याण मुंबई मंडल, दिनांक 08.01.2026 को ड्यूटी के दौरान एक श्ळण्ख स्पेशल ट्रेन से धुआं निकलते देखा। उन्होंने तुरंत संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे समय पर कार्रवाई कर संभावित गंभीर घटना को टाल दिया गया।

रंजीत कुमार यादव, हेल्पर (संकेत एवं दूरसंचार), ठाणे मुंबई मंडल, दिनांक 08.01.2026 को नियमित निरीक्षण के दौरान किमी 31/515 पर रेल फ्रैक्चर पाया। उन्होंने तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित कर सुधार सुनिश्चित कराया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

नागपुर मंडल

अनुराग श्रीवास्तव, सहायक काटेवाला, तडाली नागपुर मंडल, दिनांक 08.12.2025 को ड्यूटी के दौरान गुजरती मालगाड़ी के ैं पैड से चिंगारियां निकलती देखीं। उन्होंने तुरंत ट्रेन रुकवाकर संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे संभावित दुर्घटना को टाला गया।

प्रदीप निर्मल, हेल्पर (संकेत एवं दूरसंचार), आमला नागपुर मंडल, दिनांक 02.01.2026 को ड्यूटी के दौरान पॉइंट संख्या 139ँ के टंग रेल में क्षति देखी। उन्होंने तुरंत सूचना दी, जिससे समय पर कार्रवाई कर संभावित दुर्घटना को रोका गया।

उमेश मौर्य, लोको पायलट (शंटर), घुग्गुस नागपुर मंडल, दिनांक 16.12.2025 को शंटिंग कार्य के दौरान रेल फ्रैक्चर देखा। उन्होंने तुरंत संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

भुसावल मंडल

फुल कुमार गौतम, लोको पायलट (मालगाड़ी), भुसावल – दिनांक 19.01.2026 को ट्रेन संख्या 12406 में ड्यूटी के दौरान किमी 774/11-19 पर एक ट्रैक मेंटेनर को कार्य करते देखा। चेतावनी हेतु सीटी बजाने के बावजूद ट्रैक मेंटेनर के न हटने पर उन्होंने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। उनकी सतर्कता एवं त्वरित निर्णय से ट्रैक मेंटेनर का जीवन बचाया जा सका।

राहुल चंदा, श्एश (कोच एवं वैगन), भुसावल – दिनांक 09.01.2026 को मालगाड़ी की जांच के दौरान एक वैगन के बोगी बोल्स्टर में दोष पाया। उन्होंने तुरंत संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई।

विजय सुरडकर, कांस्टेबल (रेलवे सुरक्षा बल), जलगांव – दिनांक 02.12.2025 को जलगांव स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान ट्रेन संख्या 12112 में चढ़ते समय एक यात्री को गिरते देखा। उन्होंने तुरंत हस्तक्षेप कर यात्री को गंभीर चोट से बचाया। उनकी सूझबूझ एवं त्वरित प्रतिक्रिया से एक अप्रिय घटना टल गई।

सोलापुर मंडल

उमेश रमेश बदर, कनिष्ठ अभियंता (टीआरडी), कुर्डुवाड़ी – दिनांक 03.11.2025 को पैदल पेट्रोलिंग ड्यूटी के दौरान किमी 373/08 पर टूटा हुआ 'उ' जंपर देखा। उन्होंने तुरंत सूचना देकर ट्रैक की संरक्षा सुनिश्चित की, जिससे संभावित दुर्घटना को रोका गया।

श्री भानुदास एन. शेलके, ट्रैक मेंटेनर, अरग – दिनांक 30.12.2025 को ड्यूटी के दौरान गुजरती मालगाड़ी के एक वैगन में फ्लैट टायर देखा। उन्होंने तुरंत संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे समय पर कार्रवाई कर संभावित दुर्घटना टल गई।

पुणे मंडल

कंचन कुमार, वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पथ), सांगली – दिनांक 14.01.2026 को निरीक्षण के दौरान मालगाड़ी के एक वैगन में फ्लैट टायर देखा। उन्होंने तुरंत संबंधित सभी को सूचित किया, जिससे संभावित दुर्घटना को टाला गया।

महाप्रबंधक पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उनकी सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका उदाहरण अन्य लोगों को यात्री संरक्षा सुनिश्चित करने और जीवन, माल और रेलवे संपत्तियों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर श्री चंद्र किशोर प्रसाद, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी, अन्य प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मध्य रेल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग के पुरस्कारों हेतु 21 फरवरी तक आवेदन करने की अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले महात्मा बसवेश्वर सामाजिक समता-शिवा पुरस्कार, नटराज पुरस्कार, विश्वकर्मा पुरस्कार तथा क्रांतिवीर राजे उमाजी नाईक पुरस्कार के लिए वर्ष 2025-26 हेतु इच्छुक व्यक्तियों एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इसके लिए व्यक्तियों एवं संस्थाओं से 21 फरवरी 2026 तक आवेदन करने की अपील अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण संचालनालय के सहसंचालक द्वारा की गई है।

पुरस्कार हेतु शर्तें एवं नियम

आवेदक व्यक्ति या संस्था का महाराष्ट्र राज्य का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक द्वारा संबंधित समाज के शैक्षणिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक अथवा अन्य क्षेत्रों में निरंतर एवं उल्लेखनीय कार्य किया गया होना चाहिए।

आवेदन निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

शासन निर्णय में उल्लिखित सभी आवश्यक दस्तावेज, कार्य का विस्तृत विवरण, अनुशंसा पत्र तथा प्रमाणपत्र आवेदन के साथ संलग्न करना आवश्यक है। अपूर्ण, गलत जानकारी वाले अथवा समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदनों पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

पुरस्कार से संबंधित अंतिम निर्णय शासन स्तर पर लिया जाएगा तथा इस संबंध में किसी प्रकार का पत्राचार नहीं किया जाएगा।

आवेदन कहाँ और कैसे करें

पुरस्कार हेतु आवेदन संबंधित जिले के सहायक संचालक, अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग के कार्यालय में 21 फरवरी 2026 तक कार्यालयीन समय में जमा करना आवश्यक है।

आवेदन प्रपत्र, शासन निर्णय में उल्लिखित विस्तृत शर्तें एवं नियम तथा अन्य जानकारी सहायक संचालक, अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण विभाग, जिला कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपलब्ध है।

पात्र एवं इच्छुक व्यक्तियों तथा संस्थाओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करें।

समर्पण और प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के वडोदरा मंडल के परिचालन विभाग द्वारा आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन (एडब्ल्यूपीडब्ल्यूओ), अहमदाबाद के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सफलतापूर्वक हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के अंतर्गत वडोदरा मंडल में भूतपूर्व सैनिकों की प्वाइंट्समैन के रूप में नियुक्ति की जाएगी।

यह पहल न केवल रेलवे की परिचालन संरक्षा और कार्यकुशलता को सुदृढ़ करती है, बल्कि अनुशासित, प्रशिक्षित और दक्ष पूर्व सैनिकों को सम्मानजनक द्वितीय करियर प्रदान कर राष्ट्र निर्माण के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को भी साकार करती है।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्रीमती रिनी, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री तेजराम मीना तथा सेना कल्याण प्लेसमेंट संगठन (एडब्ल्यूपीडब्ल्यूओ-अहमदाबाद) के निदेशक की गरिमामयी उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

यह पहल पूर्व सैनिकों के अनुभव और अनुशासन का लाभ उठाते हुए रेलवे परिचालन को और अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आईआरसीटीसी द्वारा सोलापुर से 'डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा' भारत गौरव पर्यटक ट्रेन की घोषणा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन योजना के अंतर्गत 11 रात / 12 दिन की 'डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा' टूर पैकेज की घोषणा की है। यह आध्यात्मिक एवं विरासत यात्रा सोलापुर से प्रारंभ होगी और यात्रियों को देश के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन का अवसर प्रदान करेगी। इस यात्रा का पैकेज मूल्य ?19,900 प्रति व्यक्ति से प्रारंभ है।

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के ग्रुप जनरल मैनेजर श्री गौरव झा ने बताया कि यह विशेष एसी एवं नॉन-एसी संयुक्त भारत गौरव पर्यटक ट्रेन यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को आरामदायक और सुव्यवस्थित यात्रा अनुभव प्रदान करेगी। यह यात्रा उदयपुर, नाथद्वारा, पुष्कर, जोधपुर, जयपुर, खाटू श्याम जी तथा उज्जैन जैसे प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों को कवर करेगी।

इस पर्यटक ट्रेन में यात्रियों के लिए इकोनॉमी स्लीपर (एसएल), स्टैंडर्ड 3 एसी तथा कंफर्ट 2 एसी श्रेणियों की सुविधा उपलब्ध रहेगी। ट्रेन में लगभग 750 यात्रियों की व्यवस्था की गई है। यात्रियों की सुविधा के लिए बोर्डिंग एवं डिबोर्डिंग की सुविधा सोलापुर, कुर्डुवाड़ी, दौंड, पुणे, लोणावला, कल्याण, वसई रोड, सूरत, वडोदरा एवं रतलाम स्टेशनों पर उपलब्ध रहेगी।

यह सर्वसमावेशी टूर पैकेज यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा, जिसमें शामिल हैं–

एसी एवं नॉन-एसी कोचों में रेल यात्रा

बजट होटलों में डबल, ट्रिपल एवं क्वाड शेयरिंग आधार पर ठहरने की व्यवस्था

संपूर्ण यात्रा के दौरान शुद्ध शाकाहारी भोजन

एसी एवं नॉन-एसी वाहनों द्वारा स्थानीय भ्रमण एवं ट्रांसफर

व्यापक यात्रा बीमा सुविधा

यात्रा के दौरान समन्वय हेतु समर्पित आईआरसीटीसी टूर मैनेजर

आईआरसीटीसी पश्चिम क्षेत्र, मुंबई के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) ने बताया कि यात्रा के दौरान यात्रियों की स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है।

'डिवाइन राजस्थान विद उज्जैन यात्रा' की पैकेज दरें इस प्रकार हैं–

इकोनॉमी क्लास - 19,900 प्रति व्यक्ति

स्टैंडर्ड 3 एसी क्लास - 31,920 प्रति व्यक्ति

कंफर्ट 2 एसी क्लास - 41,840 प्रति व्यक्ति

इस यात्रा की बुकिंग पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर आईआरसीटीसी की आधिकारिक पर्यटन वेबसाइट पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए यात्री मोबाइल नंबर 8287931886 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा bgtmumbai@irctc.com पर ईमेल कर सकते हैं।

यह पहल देश में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ क्षेत्रीय रेल संपर्क को सुदृढ़ करेगी और यात्रियों को एक यादगार व सुखद तीर्थ यात्रा अनुभव प्रदान करेगी।

मध्य रेल

सोलापुर मण्डल

प्रतिस्थापन कार्य

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाइसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की इ प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्रं.: सोला/वि/नि/2025/32। कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में विभिन्न स्टेशनों पर वास्तविक इंसुलेटर पर COP/FOB के नीचे बिछी केवलों को वस बार ट्रंकिंग सिस्टम से प्रतिस्थापित करना। **कार्य की लागत:** ₹ 1,95,61,423.35, **बोली प्रतिभूति:** ₹ 2,47,800.00, **कार्य पुरा करने की अवधी:** 24 माह, **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय:** दि 20.02.2026 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रक्कम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है। EXP-04

टिकट के लिए UTS App डाउनलोड करे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त - टी वार्ड

पत्र क्रमांक : एई/एसडब्ल्यूएम/10106/टी दिनांक : 04.02.2026

रुचि अभिव्यक्ति (ईओआई) सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त द्वारा निम्नलिखित रुचि अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की जाती है:

कार्य का नाम	नियुक्त की जाने वाली संस्थाओं की संख्या	ईओआई शुल्क	ईओआई बिक्री प्रारंभ तिथि एवं समय	ईओआई बिक्री समाप्ति तिथि एवं समय
1	2	3	4	5
टी वार्ड में सार्वजनिक शौचालयों के लिए विशेष सफाई/सैनिटाइजेशन अभियान का क्रियान्वयन।	02	प्रति संस्था रू. 1,452/- + 18% जीएसटी	05.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे से	12.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक

मोम सील लगी ईओआई निर्धारित तिथि अर्थात 12.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे या उससे पूर्व सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम), टी वार्ड के कार्यालय में जमा की जानी चाहिए।

ईओआई दस्तावेज डाक द्वारा स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(श्रीमती निर्जा कोलते)
सहायक अभियंता
ठोस कचरा प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), टी वार्ड

पीआरओ/2869/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी सनातन संस्कृति के प्रमुख संवाहक समाधि मंदिर भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्थल– मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

सांस्कृतिक पुनरुत्थान के कार्य को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिली नई गति

मुंबई/हरिद्वार। श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी ने सनातन संस्कृति के प्रमुख संवाहक के रूप में कार्य किया। इसी कारण आज नई पीढ़ी के समक्ष भारतीय संस्कृति की महानता सुरक्षित और जीवंत बनी हुई है। उनके समाधि मंदिर के माध्यम से भावी पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणादायी स्थल निर्मित हुआ है, ऐसा प्रतिपादन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया।

मुख्यमंत्री फडणवीस उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित श्री स्वामी सत्यमित्रानंद गिरीजी महाराज के समाधि मंदिर में श्रीविग्रह मूर्ति स्थापना समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूज्य जुना पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरीजी, राम जन्मभूमि मंदिर न्यास के स्वामी गोविंददेव गिरीजी, पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, स्वामी अखिलेश्वरानंदजी, स्वामी हरिचेतनानंदजी, स्वामी ललितानंद गिरीजी, महंत देवानंद सरस्वती, विनय रोहिला, प्रदीप बत्रा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारतीय संस्कृति की संत परंपरा समाज को जोड़ने और एकजुट रखने का कार्य करती है। यही कार्य स्वामी सत्यमित्रानंद

गिरी ने भारत माता मंदिर की स्थापना के माध्यम से प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारतीय सनातन संस्कृति की विश्वभर में फैली धाराओं को एकत्र करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन मानवता की सेवा में समर्पित कर दिया। जहाँ-जहाँ आपदा और संकट आए, वहाँ स्वामीजी स्वयं पहुँचकर बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्य करते रहे। इसी माध्यम से उन्होंने सनातन संस्कृति की पहचान को सुदृढ़ किया। इस यात्रा में उन्होंने कई बार पदों का भी त्याग किया और अपने वैश्विक कार्य को आगे बढ़ाने में ही संतोष माना। इसी कारण उन्हें विश्वभर में एक अद्भुत व्यक्तित्व के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ, ऐसा मुख्यमंत्री ने कहा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने आगे कहा कि विश्व की अनेक संस्कृतियाँ समय के साथ नष्ट हो गईं, किंतु भारतीय सनातन संस्कृति आज भी जीवित और सशक्त बनी हुई है। सनातन विचार भारतीय संस्कृति की विशिष्टता को दर्शाने वाले तथा अत्यंत प्राचीन हैं। सरस्वती सभ्यता के उत्खनन से भी इन विचारों के अस्तित्व की पुष्टि हुई है। इससे यह सिद्ध होता है कि विज्ञान और इतिहास– दोनों की कसौटी पर भारतीय जीवन पद्धति और सनातन संस्कृति अत्यंत समृद्ध रही है। इस संस्कृति ने विविधताओं को आत्मसात कर अपने वैभव को और बढ़ाया है।

इस महान संस्कृति को सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरी जैसे संवाहकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने अपने आचरण और कार्यों के माध्यम से इस संस्कृति का पोषण किया और उसे भावी पीढ़ियों को सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक पुनरुत्थान के कार्य को नई गति मिली है। इसके फलस्वरूप आज की युवा पीढ़ी भी सनातन संस्कृति से स्वयं को जोड़ने लगी है और उसे अपनी पहचान व गौरव के रूप में देखने लगी है। इसके पीछे संतों और महंतों के कार्यों का अमूल्य योगदान है, ऐसा भी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने संबोधन में कहा।

नदी जोड़ परियोजनाओं के कार्यों की जलसंपदा मंत्री राधाकृष्ण विखे-पाटील ने समीक्षा की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में क्रियान्वित की जा रही महत्वाकांक्षी नदी जोड़ परियोजनाओं के कार्यों को गति देने के उद्देश्य से जलसंपदा मंत्री (गोदावरी एवं कृष्णा खोरे विकास महामंडल) राधाकृष्ण विखे-पाटील ने विस्तृत समीक्षा की।

इस अवसर पर दमणगंगा-वैतरणा-गोदावरी नदी जोड़ परियोजना, दमणगंगा-एकदरे-गोदावरी नदी जोड़ परियोजना, तथा कृष्णा खोरे के बाढ़ जल को भीमा नदी खोरे में मोड़ने हेतु चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई।

सह्याद्री अतिथि गृह में आयोजित बैठक में मंत्री विखे-पाटील ने परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में जलसंपदा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कपूर, महाराष्ट्र इंस्टिट्यूट फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (मित्र) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीण परदेशी, नियोजन विभाग के प्रधान सचिव सौरभ विजय, जलसंपदा सचिव संजय बेलसरे, गोदावरी पाटबंधारे विकास महामंडल के कार्यकारी संचालक संतोष तिरमनवार सहित संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जलसंपदा मंत्री ने स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य कोंकण क्षेत्र के जलसमृद्ध खोरे से अतिरिक्त पानी को गोदावरी खोरे में मोड़कर नाशिक और मराठवाड़ा क्षेत्र की जल-कमी को दूर करना है।

मंत्री विखे-पाटील ने बताया कि पाटबंधारे विकास महामंडलों के अधीन उपलब्ध अतिरिक्त भूमि को पर्यावरण-अनुकूल तथा पर्यटन की दृष्टि से विकसित कर महामंडलों की आय के स्रोत बढ़ाए जाएंगे। बांध क्षेत्रों के समीप स्थित इन भूमियों को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर विकसित एवं प्रबंधित करने हेतु नीति निर्धारित की गई है। पुणे और सोलापुर जिलों में इस दिशा में कार्यवाही प्रारंभ हो चुकी है और नीति के अनुरूप आगे की कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने बताया कि नाबार्ड के वित्तपोषण से क्रियान्वित सिंचाई परियोजनाओं के लिए 24 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान प्रस्तावित है, जिसमें से 8,500 करोड़ रुपये जलसंपदा विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। इस निधि से विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के कार्य प्रगति पर हैं। सिंचाई परियोजनाओं को गति देने हेतु 6,500 करोड़ रुपये के वितरण के संबंध में वित्त एवं नियोजन विभाग को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, कृष्णा खोरे से भीमा खोरे में पानी लाने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर तत्काल निविदा प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

फ्लोटिंग सोलर पावर जनरेशन नीति की समीक्षा

बैठक में जलसंपदा विभाग द्वारा तैयार फ्लोटिंग सोलर पावर जनरेशन नीति के प्रारूप की भी समीक्षा की गई। मंत्री विखे-पाटील ने इस प्रारूप को देवेंद्र फडणवीस के समक्ष प्रस्तुत करने हेतु आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, महाराष्ट्र सिंचाई सुधार कार्यक्रम के अंतर्गत पाटबंधारे नियम, 1976 में प्रस्तावित संशोधनों से संबंधित प्रावधानों को मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा, जिस पर बैठक में विस्तृत चर्चा की गई।

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग द्वारा बेलापुर विभाग में अवैध निर्माणों पर निष्कासन की कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई महानगरपालिका के अतिक्रमण विभाग की ओर से, महानगरपालिका विभाग के माध्यम से मा. आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के निर्देशानुसार तथा अतिरिक्त आयुक्त (2) डॉ. राहुल गेठे एवं उप आयुक्त (अतिक्रमण) डॉ. कैलास गायकवाड के मार्गदर्शन में बेलापुर विभाग में अवैध निर्माणों के विरुद्ध निष्कासन की कार्रवाई की गई।

इस कार्रवाई के अंतर्गत–

श्री/श्रीमती रफीक काज़ी व अन्य, घर क्रमांक 395, न.मुं.पा. शाला क्रमांक 01 के दक्षिण, बेलापुर गांव, सेक्टर-20, सीबीडी बेलापुर को एमआरटीपी अधिनियम की धारा 53(1)(अ) के अंतर्गत अवैध निर्माण हेतु नोटिस जारी किया गया।

श्री सलीम माजिद याकूब सय्यद, घर क्रमांक 0390, सेक्टर-20, बेलापुर गांव, नवी मुंबई को तथा श्री गणेश आर. तांडेल व अन्य, घर क्रमांक 279/005, पोतदार शाला के पास, करावे गांव, सेक्टर-36, नवी मुंबई को एमआरटीपी अधिनियम की धारा 54 के अंतर्गत अवैध निर्माण हेतु नोटिस जारी किया गया।

इसके अतिरिक्त सनसिटी बिल्डिंग, सेक्टर-15 में अवैध रूप से वर्षा-शेड का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। संबंधितों को स्वयं अवैध निर्माण हटाना आवश्यक था, परंतु यह हटाया नहीं गया।

अतः ए विभाग, बेलापुर कार्यालय द्वारा दिनांक 04.02.2026 को ध्वस्तीकरण अभियान आयोजित कर उक्त अवैध निर्माणों/अतिक्रमणों पर निष्कासन की कार्रवाई की गई।

इस अभियान के दौरान सहायक आयुक्त एवं विभाग अधिकारी श्री प्रशांत नेरकर, सहायक अभियंता श्री आत्माराम काले सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अभियान में 15 मजदूर, 6 गैस कटर, 10 हैमर, 1 पोकलेन, 2 जेसीबी सहित आवश्यक मानवबल एवं उपकरणों का उपयोग किया गया। साथ ही स्थानीय पुलिस विभाग तथा अतिक्रमण विभाग के पुलिस अधिकारी/कर्मचारी एवं सुरक्षारक्षक भी उपस्थित रहे।

'सीआईएसएफ' द्वारा रत्नागिरी में 'वंदे मातरम् कोस्टल सायक्लोथॉन-2026' का आयोजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। देश की महत्वपूर्ण आधारभूत संरचनाओं की सुरक्षा में कार्यरत केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपनी 57 वर्षों की गौरवशाली सेवा के उपलक्ष्य में 14 फरवरी 2026 को रत्नागिरी स्थित पुलिस मैदान में 'वंदे मातरम् कोस्टल सायक्लोथॉन-2026' का आयोजन कर रहा है। इस उपक्रम का शुभारंभ उद्योग एवं मराठी भाषा मंत्री डॉ. उदय सामंत के करकमलों से किया जाएगा।

तटीय एवं समुद्री सुरक्षा पर जन-जागरूकता

इस सायक्लोथॉन का उद्देश्य तटीय एवं समुद्री सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता, राष्ट्रीय एकता, शारीरिक तंदुरुस्ती, पर्यावरण संरक्षण तथा महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है। विशेष रूप से इस अभियान में 50 प्रतिशत महिला सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

इस सायक्लोथॉन के माध्यम से तटीय क्षेत्रों के नागरिकों में राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, नागरिकों और सीआईएसएफ के बीच समन्वय सुदृढ़ करना, युवाओं को नशीले पदार्थों के खतरों के प्रति सचेत करना तथा बंदरगाह सुरक्षा में सीआईएसएफ के 51 वर्षों के अनुभव की जानकारी देना भी प्रमुख उद्देश्य हैं।

वर्ष 1969 में स्थापित सीआईएसएफ ने पिछले 57 वर्षों में रिफाइनरियों, हवाई अड्डों, बंदरगाहों, मेट्रो रेल, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों, अंतरिक्ष केंद्रों सहित देश की अनेक रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण संस्थाओं की सुरक्षा प्रभावी ढंग से संभाली है। सुरक्षा के साथ-साथ जन-जागरूकता, सामाजिक उपक्रमों और सार्वजनिक सुरक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से सीआईएसएफ राष्ट्रीय सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाता रहा है।

6,600 किलोमीटर की यात्रा

देशभक्ति गीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कोस्टल सायक्लोथॉन में देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों के साथ कुल 6,600 किलोमीटर की यात्रा की जाएगी, जिसका समापन कोच्चि में होगा। गत वर्ष आयोजित सायक्लोथॉन-2025 को 30 लाख से अधिक नागरिकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला था तथा 2.9 करोड़ डिजिटल इंटरैक्शन दर्ज किए गए थे।

52 तटीय गांव 'तट प्रहरी' के रूप में दत्तक

सामाजिक सहभागिता के माध्यम से 52 तटीय गांवों को 'तट प्रहरी' के रूप में दत्तक लिया गया है। इन गांवों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाट्य प्रस्तुतियां, चिकित्सा सेवाएं, ओपन जिम, खेल सुविधाएं तथा तस्करी और अवैध घुसपैठ की रोकथाम के संबंध में जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

रत्नागिरी के पुलिस मैदान में 14 फरवरी को होने वाले इस कार्यक्रम में 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए 40 सीआरपीएफ जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। साथ ही रत्नागिरी जिले के चार शहीद जवानों के परिवारों का विशेष सम्मान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिला सांस्कृतिक दल, एनसीसी के छात्र तथा सीआईएसएफ की टीम द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर लगा 25 किमी लंबा जाम, हजारों लोग फंसे; दुर्घटनाग्रस्त हुआ था गैस टैंकर

मुंबई। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर शाम एक गंभीर हादसा हुआ, जब एक प्रोपलीन गैस से भरा टैंकर आदोशी टनल के पास पलट गया। इस घटना के बाद मुंबई जाने वाली ट्रैफिक की सभी लेन 24 घंटे से ज्यादा समय से भीषण जाम के चलते बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 20 किमी लंबा जाम लगा हुआ है। जिसके चलते हजारों वाहन फंस गए हैं।

जानकारी के अनुसार यह हादसा मगलवार शाम करीब 6:15 बजे हुआ, जब टैंकर मोड़ पर नियंत्रण खो बैठा और पलट गया। इसके बाद गैस लीक होने की सूचना मिलने पर अधिकारियों ने तुरंत पुणे से मुंबई जाने वाली लेन को बंद कर दिया। प्रोपलीन गैस बेहद ज्वलनशील होने के कारण इलाके में खतरनाक स्थिति पैदा हो गई थी।

इमरजेंसी टीमों ने हादसे के बाद त्वरित कार्रवाई शुरू की, जिसमें एनडीआरएफ, फायर सर्विस, आईआरबी पुलिस और केमिकल स्पेशलिस्ट शामिल थे। इन टीमों ने गैस लीक को रोकने और टैंकर को सीधा करने के लिए लगातार काम किया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ।

जल्द यातायात बहाल होने की संभावना

जाम में फंसे बच्चों और महिलाओं सहित यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राजमार्ग यातायात पुलिस ने स्थिति सामान्य होने तक वाहन चालकों को एक्सप्रेसवे का उपयोग न करने की सलाह दी है। करीब 94 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है। यातायात बहाल करने के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। अधिकारियों का कहना है कि बुधवार रात तक अभियान पूरा होने के बाद स्थिति बहाल हो होने की संभावना है।

25 किमी लंबा जाम

वहीं, इस घटना के कारण 25 किमी लंबा जाम लग गया, जिससे बसों और ट्रकों समेत हजारों वाहन फंसे हुए थे। यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा और सुविधाओं की कमी के कारण स्थिति जटिल हो गई। अधिकारियों ने साफ किया कि जब तक विशेषज्ञ क्षेत्र को सुरक्षित घोषित नहीं करते, तब तक ट्रैफिक को फिर से शुरू नहीं किया जाएगा। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, बुधवार सुबह तक ट्रैफिक सामान्य होने की संभावना कम है।

अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस मार्ग का इस्तेमाल न करें और पुराने मुंबई-पुणे हाईवे जैसे वैकल्पिक मार्गों पर यात्रा करें। महाराष्ट्र हाईवे पुलिस से लाइव अपडेट लेने की सलाह भी दी गई है, क्योंकि गैस के लगातार रिसाव से खतरा बना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि लोगों की सुरक्षा को देखते हुए रास्ते को बंद किया गया है। किसी भी सूचना के लिए लोग पुलिस से बात कर सकते हैं। गैस टैंकर पलटने से कोई हताहत नहीं हुआ है। इमरजेंसी टीमें लगी हुई हैं, जल्द ही स्थिति पर कंट्रोल कर लिया जाएगा। हमें सही समय पर सूचना मिल गई थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया है।

जलवायु-सक्षम एवं सतत कृषि के लिए

नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए – कृषि राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जयसवाल

मुंबई। नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 से सूखा-प्रभावित क्षेत्रों की कृषि अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। जलवायु-सक्षम एवं सतत कृषि के लिए नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 को योजनाबद्ध ढंग से सूक्ष्म नियोजन कर प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ऐसे निर्देश कृषि, वित्त एवं नियोजन, सहायता एवं पुनर्वसन, श्रम तथा विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जयसवाल ने दिए।

नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी कार्यालय के सभागार में कृषि राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जयसवाल ने नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 की समीक्षा की। इस अवसर पर परियोजना संचालक परिमल सिंह, कृषि विभाग के उप सचिव श्री चंदनशिवे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कृषि राज्य मंत्री अधिवक्ता आशीष जयसवाल ने कहा कि नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के पहले चरण के सफल क्रियान्वयन की पृष्ठभूमि में अब दूसरे चरण में सतत एवं जलवायु प्रभावों का सक्षम रूप से सामना करने वाली कृषि को और अधिक व्यापक स्वरूप देने पर जोर दिया जाना चाहिए। जो किसान केवल कृषि आय पर निर्भर हैं, उन्हें नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 2.0 के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाकर आर्थिक रूप से सक्षम बनाया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इस योजना के लाभ से कोई भी मूल लाभार्थी वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि किसानों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न परिस्थितियों के अनुरूप ढलने में सक्षम बनाना, कृषि की लाभप्रदता बढ़ाना तथा इस योजना का लाभ लेने वाले किसानों की फसलों को वन्य प्राणियों से सुरक्षित रखने के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर उपाय किए जाएं। इसके लिए कृषि, आदिवासी विकास तथा वन विभाग के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाए।

कृषि राज्य मंत्री अधिवक्ता जयसवाल ने यह भी निर्देश दिए कि नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी योजना का लाभ लेने वाले किसानों की सफलता कथाएं तैयार की जाएं तथा योजना का व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए।

इस अवसर पर परियोजना संचालक परिमल सिंह ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से नानाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना 1.0 के अंतर्गत लागू की गई योजनाओं, किसान लाभार्थियों तथा उससे प्राप्त परिणामों की जानकारी दी और परियोजना 2.0 में प्रस्तावित गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में स्प्रिंकलर एवं ड्रिप सिंचाई के कारण रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि हुई है और उत्पादन में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

हापा - नाहरलगून स्पेशल ट्रेन के फेरे पुनः विस्तारित

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रतलाम। यात्रियों की बढ़ती मांग और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर परिचालित गाड़ी संख्या 09525 हापा - नाहरलगून स्पेशल की सेवाओं का विस्तार किया गया है।

गाड़ी संख्या 09525 हापा - नाहरलगून स्पेशल को पहले 25 फरवरी 2026 तक तथा गाड़ी संख्या 09526 नाहरलगून - हापा स्पेशल को 28 फरवरी 2026 तक अधिसूचित किया गया था, जिसे अब बढ़ाते हुए दोनों दिशाओं में अतिरिक्त फेरे चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गाड़ी संख्या 09525 हापा - नाहरलगून स्पेशल हापा से 04 मार्च 2026 से 30 दिसंबर 2026 तक एवं इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09526 नाहरलगून - हापा स्पेशल नाहरलगून से 07 मार्च 2026 से 02 जनवरी 2027 तक अतिरिक्त फेरे लगाएगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि कोच एवं ट्रेन संचालन संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए www.enquiry.indianrail.gov.in वेबसाइट, रेल मदद ऐप अथवा 139 रेल मदद नंबर का उपयोग करें।

नयी अमेरिकी शुल्क नीति भारतीय किसानों के लिए चिंता का विषय : शरद पवार

मुम्बई **(एजेंसी)**। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शप) प्रमुख एवं पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री शरद पवार ने बुधवार को कहा कि नयी अमेरिकी शुल्क नीति में भारत में कृषि उत्पादों के निर्यात की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल हैं, जो भारतीय किसानों के लिए चिंता का एक विषय है।

शरद पवार ने बारामती में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत-अमेरिका के हालिया व्यापार समझौते की स्पष्ट तस्वीर अगले दो दिनों में सामने आ जाएगी।

राज्यसभा सदस्य पवार ने कहा, 'तस्वीर साफ होने के बाद ही हम कुछ कह सकते हैं। हालांकि, अमेरिका द्वारा घोषित भारत-अमेरिका शुल्क समझौते में एक प्रावधान है जो भारत में कृषि निर्यात

करने की इजाजत देता है, जो भारतीय किसानों और घरेलू कृषि क्षेत्र के लिए चिंता की बात है।' उन्होंने कहा, "अमेरिका एक शक्तिशाली अर्थव्यवस्था है और वहां से बड़े पैमाने पर कृषि निर्यात अन्य देशों के स्थानीय उत्पादकों को नुकसान पहुंचा सकता है। मुझे उम्मीद है कि भारतीय कृषि क्षेत्र की रक्षा की जाएगी..।" इसबीच अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, "राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) ने भारत के साथ एक और बड़ा व्यापार समझौता किया है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से सीधे बात की। दोनों देशों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। भारत न केवल रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि अमेरिका से तेल खरीदने के लिए भी प्रतिबद्ध है। संभवतः वेनेजुएला से भी जिससे हमें पता है कि अब अमेरिका और अमेरिकी जनता को सीधा लाभ होगा।"

सुकरवाड़ी एसआरए परियोजना पर हाईकोर्ट की रोक, सभी निर्णयों पर अंतरिम स्थगन

मुंबईः बोरिवली स्थित सुकरवाड़ी स्लम पुनर्विकास (एसआरए) परियोजना से जुड़े मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने परियोजना से संबंधित सरकारी कार्यवाहियों, डेवलपर की नियुक्ति तथा एमनेस्टी योजना के अंतर्गत जारी आदेशों पर अंतरिम रोक लगा दी है।

यह आदेश झुग्गीवासी जगतदेव वुशवाहा द्वारा दायर याचिका (डब्ल्यूपी/3322/2025) पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिका में आरोप लगाया गया कि परियोजना में सुप्रीम कोर्ट तथा बॉम्बे हाईकोर्ट के पूर्व आदेशों का पालन नहीं किया गया और डेवलपर की नियुक्ति प्रक्रिया में अनियमितताएँ हुईं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणी की कि मामला प्रथम दृष्टया केवल प्रक्रियागत त्रुटि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें न्यायिक आदेशों की संभावित अवहेलना का प्रश्न भी प्रतीत होता है। कोर्ट ने सभी पक्षों को अपना पक्ष रखने और संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार और संबंधित डेवलपर की ओर से आरोपों को नकारते हुए कहा गया कि सभी निर्णय नियमों के अनुसार लिए गए हैं और अदालत में विस्तृत जवाब दाखिल किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई में आगे की कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से राहत की उम्मीद कई सवाल अब भी बाकी

पिछले कई महीने से अमेरिका की ओर से लागू शुल्क नीति के कारण जहां दुनिया भर में व्यापार युद्ध जैसी स्थिति पैदा हो रही थी, वहीं भारत के सामने मुख्य चुनौती अपने लिए बेहतर विकल्प तलाश करने की थी। अब सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो कहा, उससे यही लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच परस्पर हित पर आधारित एक समझौता आकार ले सकता है।

ट्रंप ने इस संबंध में सोशल मीडिया पर दावा किया कि अमेरिका-भारत के बीच एक व्यापार समझौते पर सहमति बनी है, जिसके तहत शुल्क को पचास फीसद से घटा कर अठारह फीसद किया जाएगा। दूसरी ओर, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत भी इसी तरह अमेरिका के खिलाफ अपनी शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को खत्म करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

दोनों देशों की ओर से ऐसी घोषणा को शुल्क के मसले पर महीनों से जारी तनाव के बाद अमेरिका और भारत की नीतियों में अब एक बड़े बदलाव का सूचक माना जा रहा है। हालांकि यह साफ होना बाकी है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता अंतिम तौर पर किस स्वरूप में सामने आता है और उसमें बनी सहमति कहां तक परस्पर हित सुनिश्चित करती है। मगर फिलहाल सामने आई खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने जिस तरह शुल्क में कमी करने की बात कही है, उसके अमल में आने पर भारत को राहत मिल सकती है।

दरअसल, कई ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर अमेरिकी नीतियों का असर पड़ना शुरू हो चुका था। इसके बावजूद भारत ने अमेरिका की ओर से जरूरत से ज्यादा सख्त शर्तों की वजह से समझौते के लिए सहमति देने को लेकर सावधानी बरती और इससे उपजी मुश्किल का विकल्प तलाशने की कोशिश जारी रखी।

यही वजह है कि अमेरिका की ओर से शुल्क को पचास फीसद कर देने की घोषणा के बाद भी भारत ने रूस से तेल की खरीद जारी रखी। यों ट्रंप ने दावा किया है कि अब भारत ने रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से कहीं अधिक मात्रा में तथा संभावित रूप से वेनेजुएला से भी तेल खरीद पर सहमति जताई है। हालांकि भारत और रूस के बीच जैसे संबंध रहे हैं, उसके मद्देनजर यह देखने की बात होगी कि रूस से तेल की खरीद पूरी तरह बंद करने के सवाल पर भारत क्या रुख अपनाता है। इसके अलावा, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाने का एक बड़ा कारण यह था कि भारत कृषि क्षेत्र को पूरी तरह खोलने को लेकर राजी नहीं था। इस मसले पर देश भर में सवाल उठाए गए थे। अभी यह स्पष्ट होना बाकी है कि व्यापार समझौते के अंतिम रूप में भारत कृषि जैसे सबसे संवेदनशील मुद्दे पर क्या हासिल करता है, लेकिन किसानों की ओर से कई तरह की चिंताएं सामने आई हैं।

इस मसले पर आशंका ट्रंप के उस दावे से उपजी है, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की ओर से काफी बड़े स्तर पर अमेरिकी उत्पाद खरीदने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसमें ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, कृषि, कोयला और अन्य उत्पाद शामिल हैं। अगर भारत कृषि क्षेत्र को भी खोलता है, तो इससे यहां के किसानों के सामने चुनौतियां बढ़ सकती हैं। इसलिए भारत को अपने किसानों की इस फिक्र को ध्यान में रखना चाहिए कि अगर सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारत आएंगे, तो देसी फसलों के दाम गिर सकते हैं, न्यूनतम समर्थन मूल्य कमजोर होगा और सबसे बड़ा नुकसान छोटे तथा सीमांत किसानों को होगा।

हिमालय क्षेत्र की बर्बादी से नेताओं को नहीं कोई सरोकार

देश के राजनीतिक दल देश के लोगों के लिए कितने गैरजिम्मेदार हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हिमालय क्षेत्र में शोध पर आधारित दो महत्वपूर्ण पर्यावरणीय जानकारी के बारे में किसी ने चिंता तक जाहिर नहीं की। इन रिपोर्टों में सर्दी के मौसम में हिमालय क्षेत्र जंगलों में लगने वाली आग के कारण और भूस्खलन के नए केंद्रों की जानकारी दी गई है। दरअसल ऐसी जानकारियों को गंभीरता से लेने पर राजनीतिक दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। यही वजह है अत्यंत संवेदनशील और आम जन-जीवन को प्रभावित करने वाले पर्यावरण जेसे मुद्दे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में जगह नहीं पाते हैं।

फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि इस बार सर्दियों का मौसम शुरू होने के बाद 1 नवंबर से अब तक उत्तराखंड में देश में सबसे अधिक 1, 756 फायर अलर्ट दर्ज किए गए हैं। यह संख्या महाराष्ट्र (1, 028), कर्नाटक (924), मध्य प्रदेश (868) और छत्तीसगढ़ (862) जैसे उन राज्यों की तुलना में काफी ज्यादा है, जो पारंपरिक रूप से जंगल में आग के मामले में अधिक संवेदनशील माने जाते हैं। आमतौर पर दिसंबर जंगल में आग के लिहाज से सबसे शांत महीना माना जाता है, लेकिन पिछले तीन सालों में उत्तराखंड के लिए यह धारणा गलत साबित हुई है। दिसंबर में उत्तराखंड में बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई। जंगल की जमीन में नमी का लेवल बहुत कम है। उत्तराखंड की तरह, हिमाचल में भी पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह से कोई बारिश नहीं हुई थी।

इसी तरह, कुल्लू, मंडी, शिमला और चंबा जैसे प्रमुख सेब

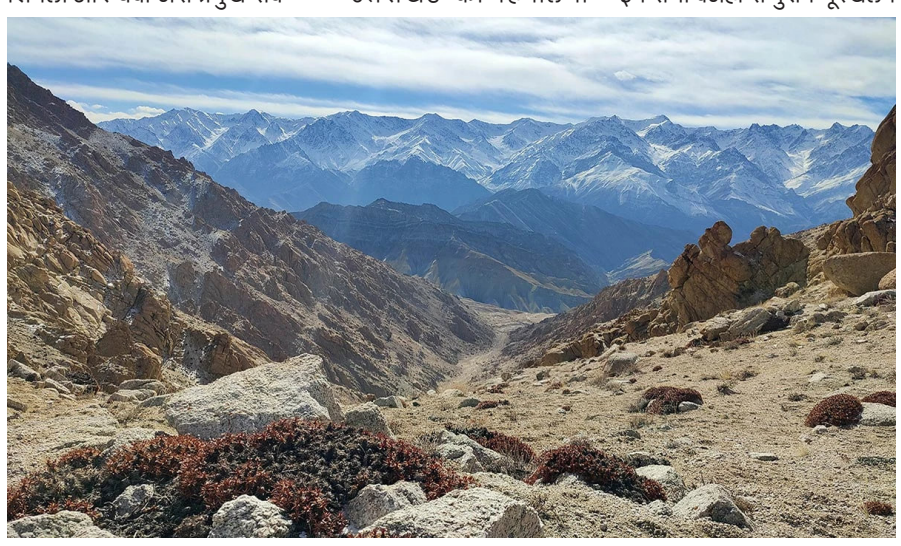

उत्पादक इलाकों में भी बर्फबारी लगभग न के बराबर हुई है। इस वजह से जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ी हैं। इस पूरे परिदृश्य को अब पर्यावरण प्रदूषण से जोड़कर देखा जा रहा है। देहरादून, ऋषिकेश और हल्द्वानी जैसे शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स बार-बार बेहद खराब श्रेणी में पहुंच रहा है। देहरादून में तो कई बार यह इंडेक्स 300 के पार जा चुका है, जो सीधे तौर पर लोगों की सेहत के लिए खतरनाक माना जाता है। उत्तराखंड पर्यावरण संरक्षण बोर्ड की ओर से कराए गए एक अध्ययन ने चिंता और बढ़ा दी है। रिपोर्ट में सामने आया कि पर्यावरण प्रदूषण में फॉरेस्ट फायर की भूमिका 15 से 20 प्रतिशत तक है, जो कि बेहद गंभीर आंकड़ा है।

उत्तराखंड का हिमालयी भूगोल, जलवायु परिवर्तन और तेज विकास की दौड़ मिलकर राज्य के लिए बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में राज्य में तेज गति से सड़क निर्माण और बड़े बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स हुए हैं। इसका परिणाम यह निकला कि चारधाम यात्रा रूट के आसपास लगभग 100 नए भूस्खलन क्षेत्र पैदा हो गए। पहले से मौजूद संवेदनशील जोन भी और अधिक खतरनाक हो गए हैं। चारधाम यात्रा और पर्यटन उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, लेकिन तेजी से निर्माण कार्यों ने पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना को कमजोर किया है। सड़क और हाइड्रो प्रोजेक्ट्स के लिए बड़े पैमाने पर ब्लास्टिंग की गई, भारी मशीनरी का उपयोग हुआ, जंगलों का व्यापक कटान किया गया। इन सभी वजहों से पुराने भूस्खलन क्षेत्र सक्रिय हुए और नए भूस्खलन क्षेत्र भी बन गए। उत्तराखंड के नेशनल हाईवे नेटवर्क पर करीब 400 भूस्खलन स्थल चिन्हित किए गए हैं।

उत्तराखंड में मानसून सीजन में हर साल प्राकृतिक आपदाओं से भारी नुकसान होता है। साल 2025 के मानसून सीजन में अब तक उत्तराखंड में रिकॉर्ड बारिश हुई है। उत्तराखंड में 2016 से 25 तक प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसमें हजारों लोगों की जान गई है। पिछले 11 वर्षों में 27, 197 प्राकृतिक घटनाएं हुई हैं, जिनमें अतिवृष्टि और भूस्खलन की घटनाएं प्रमुख हैं। साल 2025 में सबसे अधिक घटनाएं दर्ज हुईं, जिसमें 720 लोगों की मौत और 1207 लोग घायल हुए थे। इन 11 सालों के आंकड़े में केदारनाथ की साल 2013 में 16 और 17 जून को आई प्राकृतिक आपदा के आंकड़े नहीं जोड़े गए हैं। उस दौरान अकेले केदारनाथ में ही 4400 से ज्यादा लोग या तो लापता हो गए थे या फिर मारे गए थे।

हिंदुकुश हिमालय का इलाका भारत, चीन, नेपाल, भूटान, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश तक फैला हुआ है। यहां गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी 11 बड़ी नदियां बहती हैं। वसंत के महीने में बर्फ पिघलने से ही इन नदियों को पानी मिलता है। लगभग 17 प्रतिशत आबादी पीने के पानी की जरूरतें पूरी करने के लिए सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई है। इसी पानी का उपयोग सिंचाई और हाइड्रोपावर के लिए भी किया जाता है। साइंटिफिक रिपोर्ट्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण हिंदुकुश हिमालय क्षेत्र के तापमान में वैश्विक औसत से 0.74ष्ट अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। साथ ही साल 2003 से 2020 तक हिमालय के अधिकांश हिस्सों में बर्फ से घिरे इलाकों में गिरावट देखी गई। पहले यहां औसतन 102 दिनों तक बर्फ रहती थी। अब हर दस साल में पांच दिन कम हो रहे हैं।

भारत के मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभों के कमजोर होने से पिछले साल दिसंबर में उत्तराखंड के सभी 13 जिलों में न के बराबर बर्फ गिरी। गढ़वाल में इस साल जनवरी में बर्फबारी का अभाव देखा गया। ऐसा पिछले 40 सालों में पहली बार हुआ है। कम हिमपात के चलते जटामांसी और कुटकी जैसी महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक जड़ीबूटियां विलुप्त हो रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में स्नो ड्रॉट या 'बर्फ का सूखा' जैसी स्थिति बन रही है। विशेष रूप से 3, 000 से 6, 000 मीटर की ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यह प्रभाव सबसे अधिक देखा गया है।

हिमाचल प्रदेश में बेलगाम विकास से पर्यावरण को हो रहे नुकसान पर सुप्रीम कोर्ट चिंता जता चुका है। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो हिमाचल एक दिन नक्शे से गायब हो जाएगा। कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से जवाबतलब किया। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल में भूस्खलन, बाढ़ और भूकंप जैसी आपदाएं मानव निर्मित हैं। बिना वैज्ञानिक अध्ययन के फोर लेन रोड बन रहे हैं और हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट लग रहे हैं। उनके लिए पेड़ काटे जा रहे हैं। पहाड़ों को बारूद से उड़ाया जा रहा है। सिर्फ राजस्व कमाना सब कुछ नहीं। पर्यावरण के विनाश की कीमत पर ऐसी कमाई हिमाचल के अस्तित्व को ही खत्म कर देगी। आश्चर्य की बात यह है कि राजनीतिक दलों को जो काम करना चाहिए उसे सुप्रीम कोर्ट को करना पड़ रहा है। अभी भी वक्त है हिमालय क्षेत्र के पर्यावरण की यदि सुध नहीं ली गई कि तो भविष्य में ज्यादा गंभीर दुष्परिणाम देखने को मिलेंगे।

संतुलन, धैर्य और दृढ़ताः वैश्विक नेतृत्व के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

समकालीन वैश्विक राजनीति में यदि किसी नेता ने आक्षेपों, दबावों और विरोधाभासों के बीच संतुलन साधते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है, तो वह नाम है–प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में उनकी भूमिका केवल एक सौदे को अंतिम रूप देने की नहीं, बल्कि भारत को आत्मसम्मान के साथ वैश्विक मंच पर स्थापित करने की रही है।

आज का भारत वह भारत नहीं है जो शर्तें स्वीकार करता था; आज का भारत शर्तें तय करता है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि, धैर्य और रणनीतिक नेतृत्व का परिणाम है।

दबाव में झुकना नहीं, संवाद में संतुलन :-

प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे न तो दबाव में निर्णय लेते हैं, न ही भावनात्मक प्रतिक्रिया देते हैं।

भारत-अमेरिका वार्ता के दौरान भारत पर अनेक प्रकार के दबाव थे–टैरिफ, बाज़ार-प्रवेश, कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्र। किंतु प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया कि राष्ट्रहित पर कोई समझौता नहीं होगा।

यह धैर्य ही था कि आक्षेपों के बावजूद भारत अपनी शर्तों पर आगे बढ़ा। न टकराव, न आत्मसमर्पण–बल्कि संवाद के माध्यम से सम्मानजनक समाधान। यही परिपक्व नेतृत्व की पहचान है।

कृषि और किसानः मोदी की लाल रेखा :-

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह स्पष्ट किया कि कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्र केवल आर्थिक इकाइयाँ नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं।

किसानों की आजीविका, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य-संप्रभुता–इन पर कोई भी वैश्विक दबाव स्वीकार्य नहीं हो सकता।

मोदी सरकार का यह निर्णय बताता है कि वे मुक्त व्यापार के समर्थक हैं, किंतु किसान-विरोधी वैश्वीकरण के नहीं। यह वही दृष्टि है जो 'सबका साथ, सबका विकास' को केवल नारा नहीं, नीति बनाती है।

वैश्विक निवेश और आत्मनिर्भर भारत :-

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों का परिणाम है कि आज भारत को वैश्विक निवेश के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य माना जा रहा है।

'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों ने भारत की आर्थिक संरचना को मजबूत किया है।

व्यापार समझौतों के माध्यम से निर्यात बढ़ाने की रणनीति, विदेशी मुद्रा भंडार को सुदृढ़ करने की सोच और रोज़गार सृजन पर निरंतर ध्यान–यह सब मोदी के दीर्घकालिक आर्थिक विज़न का हिस्सा है।

बहुध्रुवीय विश्व में भारत का आत्मविश्वास :-

प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उन्होंने भारत को किसी एक शक्ति-केंद्र का अनुचर नहीं बनने दिया।

भारत आज बहुध्रुवीय विश्व में स्वतंत्र, संतुलित और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में उभर रहा है।

चाहे बहुपक्षीय मंच हों या सामरिक साझेदारियाँ–मोदी ने हर जगह यह स्पष्ट किया कि भारत अपने निर्णय स्वयं करेगा। यह नीति भारत को विश्वसनीय भी बनाती है और प्रभावशाली भी।

आलोचनाओं के बीच अडिग नेतृत्व :-

प्रधानमंत्री मोदी के विरुद्ध आलोचनाओं की कमी कभी नहीं रही। कभी उन्हें 'आक्रामक' कहा गया, कभी 'झुकने वाला'। किंतु समय ने सिद्ध किया कि उनकी नीति न तो आक्रामकता की है, न ही कमजोरी की–बल्कि रणनीतिक धैर्य की है।

आलोचनाओं के बावजूद अपने मार्ग पर अडिग रहना, सही समय की प्रतीक्षा करना और फिर निर्णायक कदम उठाना–यह नेतृत्व की वही शैली है जो इतिहास में स्थायी प्रभाव छोड़ती है।

भारत की भाषा, संस्कृति और आत्मसम्मान :-

प्रधानमंत्री मोदी का वैश्विक नेतृत्व केवल आर्थिक या कूटनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। उन्होंने भारतीय भाषाओं, परंपराओं और मूल्यों को विश्व मंच पर सम्मान दिलाया है।

यह आत्मसम्मान ही भारत की असली शक्ति है–और यही आत्मसम्मान व्यापारिक वार्ताओं में भी परिलक्षित होता है।

वैश्विक नेता के रूप में मोदी :-

आज विश्व मोदी को केवल भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक नेतृत्व के धुरंधर के रूप में देख रहा है। संकट के समय संतुलित निर्णय, दबाव में धैर्य और अवसर के समय साहस–इन गुणों ने उन्हें विशिष्ट बनाया है।

वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिद्ध कर दिया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो न तो झुकता है, न टकराता है–बल्कि विवेक और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ता है।

आक्षेपों के बावजूद अपनी शर्तों पर आगे बढ़ना, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना और भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान के साथ स्थापित करना यही मोदी के नेतृत्व की पहचान है।

निस्संदेह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले समय में भी वैश्विक नेतृत्व के धुरंधर बने रहेंगे, क्योंकि उनका मार्ग केवल सत्ता का नहीं, राष्ट्र-निर्माण का मार्ग है।

भारतीय चिंतन का सूत्र-वाक्य है–'धैर्यं सर्वत्र साधनम्।'

धैर्य ही हर साध्य की सिद्धि है–और यही प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी शक्ति है।

भारत के भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया है इस वर्ष का बजट

दिनांक 1 फरवरी 2026 को, रविवार के दिन, भारत की वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन ने भारतीय संसद में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया। इस बजट में की गई घोषणाओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर घटित हो रही उथल पुथल से भारत को बचाने की पुरजोर कोशिश की गई दिखती है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपने द्वितीय कार्यकाल में वर्ष 2025 के दौरान पूरे वर्षभर लगातार कई देशों के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की घोषणाएं की जाती रहीं एवं इसके विरोध स्वरूप कुछ देशों ने अमरीका से इन देशों को होने वाले निर्यात पर प्रतिकारी टैरिफ लगाने की घोषणाएं की जाती रहीं। चीन ने तो प्रतिशोध में अमेरिका को दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति ही रोक दी थी। हालांकि इसके पूर्व अमेरिका ने भी चीन को सेमीकंडक्टर एवं चिप्स की आपूर्ति को प्रभावित करने का प्रयास किया था। कुल मिलाकर, कुछ देश तो आपस में विभिन्न वस्तुओं के आयात एवं निर्यात को रोकने के प्रयत्न करते रहे। इन सभी घोषणाओं से वैश्विक स्तर पर विशेष रूप से आर्थिक क्षेत्र में माहौल विपरीत रूप से प्रभावित होता रहा। ट्रम्प प्रशासन ने भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न वस्तुओं के निर्यात पर भी 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जो अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर लगाए गए टैरिफ में संभवतः आज अन्य देशों की तुलना में सबसे अधिक है।

इस वित्तीय वर्ष के बजट में तीन कर्तव्यों को ध्यान में रखा गया है। (1) विभिन्न क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करते हुए भारत की आर्थिक विकास दर को और अधिक तेज किया जाय ताकि भारत को वैश्विक स्तर पर चल रही उथल पुथल से बचाया जा सके; (2) भारतीय युवाओं में कौशल का विकास करना ताकि तकनीकी क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर हो रहे परिवर्तनों के लिए वे अपने आप को तैयार कर सकें; (3) देश में समावेशी विकास हो सके एवं भारत के संसाधनों का उपयोग समस्त नागरिकों की भलाई में किया जा सके और कोई भी नागरिक, नगर एवं राज्य आर्थिक विकास की धारा से बाहर नहीं रहे।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी रही। परंतु, भारत की विकास दर की इस गति को आगामी वर्षों में भी बनाए रखने के उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। भारत आज दुर्लभ खनिज पदार्थों तथा सेमीकंडक्टर एवं चिप्स का भारी मात्रा आयात करता है। चिप्स को तो आज के उत्पादों के निर्माण में तेल की भूमिका के रूप में देखा जा रहा है। इन दोनों पदार्थों पर चीन एवं अमेरिका का लगभग पूर्णतः एकाधिकार है। भारत अपने आप को इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनाना चाहता है, इस दृष्टि से बजट में भारत में ही दुर्लभ खनिज पदार्थों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए ओड़िसा, केरल, तमिलनाडु एवं आन्ध्रप्रदेश स्थित खदानों में से कच्चे माल को निकालकर इसे संसाधित करते हुए भारत में ही दुर्लभ खनिज पदार्थों के निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजट में उक्त चारों राज्यों में एक कोरिडोर बनाने की घोषणा की गई है। इसी प्रकार, भारत में ही सेमीकंडक्टर एवं चिप्स के निर्माण हेतु विनिर्माण इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए बजट में कई उपायों

की घोषणा की गई है एवं इस हेतु 40, 000 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान भी किया गया है। साथ ही, इसके लिए बजट में सेमीकंडकर मिशन 2.0 को लागू करने की भी घोषणा की गई है। इससे कम्पनियों को भारत में इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों को स्थापित करने का प्रोत्साहन मिलेगा।

हाल ही में भारत ने कई देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते सम्पन्न किए हैं, इन समझौतों में 27 विकसित देशों के समूह, यूरोपीयन यूनियन से किया गया मुक्त व्यापार समझौता भी शामिल है। इसे 'मदर आफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है क्योंकि यह समझौता 28 देशों (27द्1) के बीच एक साथ किया गया सबसे बड़ा समझौता है। इन मुक्त व्यापार समझौतों से भारत में वस्त्र एवं परिधान उद्योग, समुद्रीय पदार्थ उद्योग, चमड़ा उद्योग, खिलौना उद्योग एवं जेम्स एवं ज्वेलरी उद्योग, आदि को सबसे अधिक लाभ होने जा रहा है। इन उद्योगों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम भारी मात्रा में कार्यरत हैं। भारत में उक्त वर्णित पदार्थों के निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बजट में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को रियायतें देने का प्रयास किया गया है ताकि उक्त वर्णित उत्पादों की मांग में होने वाली वृद्धि को पूर्ण किया जा सके। इस उद्देश्य हेतु 10, 000 करोड़ रुपए का एसएमई फंड भी बनाया गया है। टेक्सटायल उद्योग को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि भारत में निर्मित वस्त्र एवं परिधानों को विश्व के पटल पर रखा जा सके। साथ ही, बायोफार्मा क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी 10, 000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त फंड की व्यवस्था, बायोफार्मा शक्ति के रूप में, इस बजट में की गई है। इससे भारतीय दवा उद्योग को विश्व के मानचित्र पर और आगे ले जाने में सहायता मिलेगी।

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में विकसित आधारभूत संरचना की अहम भूमिका रहती है। इस बजट के माध्यम से भारत में आधारभूत संरचना को विकसित करने के उद्देश्य से पूंजीगत खर्चों में भारी भरकम वृद्धि की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूंजीगत खर्चों के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई थी, इसे वर्ष 2026-27 के बजट में बढ़ाकर 12.20 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 9 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2014-15 के बजट में पूंजीगत खर्चों के लिए केवल 2 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया था। पिछले 13 वर्षों में पूंजीगत खर्चों में 6 गुना से भी अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। पूंजीगत खर्चों में वृद्धि से कई क्षेत्रों में सरकारी निवेश भी बढ़ता है एवं इससे अंततः रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं। बल्कि, अब तो सरकार के साथ साथ निजी क्षेत्र को भी अपने पूंजी निवेश को बढ़ाना होगा। क्योंकि, सरकार के पूंजीगत खर्चों में अतुलनीय वृद्धि से देश में ही विभिन्न उत्पादों के निर्माण में तेज गति से वृद्धि होगी और वर्तमान विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग 80 प्रतिशत से ऊपर निकल जाएगा, जो वर्तमान में लगभग 75 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया है, इससे नई उत्पादन इकाईयों को स्थापित करना आवश्यक होगा। अतः भारत में अब निजी क्षेत्र में भी निवेश बढ़ेगा, इसमें विदेशी निवेश भी शामिल है।

भारत में उत्पादों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में रेल्वे की मुख्य भूमिका रहती है। भारत में इन उत्पादों की गतिशीलता को बढ़ाने के उद्देश्य से 7 नए हाई स्पीड रेल कोरिडोर बनाए जाने की घोषणा भी इस बजट में की गई है। यह कोरिडोर मुंबई से पुणे, पुणे से हैदराबाद, हैदराबाद से बैंगलोर, हैदराबाद से चेन्नई, चेन्नई से बैंगलोर, दिल्ली से वाराणसी एवं वाराणसी से सिलीगुड़ी के बीच विकसित किए जाएंगे। यह क्षेत्र विकास के नए केंद्र बन जाएंगे।

भारत को विश्व में लाजिस्टिक हब के रूप में स्थापित करने के लिए इस बजट में 10, 000 करोड़ रुपए का विशेष फंड बनाया जा रहा है ताकि भारत में ही कंटेनर के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। भारत में मेडिकल टुरिजम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 5 हब बनाए जाएंगे। इस क्षेत्र में निजी क्षेत्र एवं राज्यों को भी साथ में लिया जाएगा। इससे भारत में उच्च गुणवत्ता युक्त स्वास्थ्य सेवाएं सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी एवं अन्य देशों के नागरिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारत की ओर आकर्षित होंगे। इसी प्रकार, भारत में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बौद्ध सर्किट का निर्माण भी किया जा रहा है। इससे अन्य देशों के बौद्ध धर्म के अनुयायी भारत में धार्मिक पर्यटन हेतु आकर्षित हो सकेंगे। भारत को पूरे विश्व की आध्यात्मिक राजधानी कहा जाता है क्योंकि भारत में समस्त धर्मों का आदर कयिा जाता है।

पूरे विश्व में ऐनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग एवं कॉमिक क्षेत्र तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारतीय युवाओं को इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर तलाशने एवं इस क्षेत्र को भारत में ही बढ़ाने के उद्देश्य से इस क्षेत्र को प्रोत्साहन देने का निर्णय इस बजट में किया गया है। इस क्षेत्र में वर्ष 2030 तक 20 लाख युवाओं की आवश्यकता पड़ेगी। अतः इस हेतु भारत में ही विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में इस क्षेत्र में शिक्षा एवं कौशल प्रदान करने हेतु उच्च शिक्षा प्रदान किए जाने की व्यवस्था की जा रही है।

आयकर की दरों में किसी प्रकार की वृद्धि प्रस्तावित नहीं है। जबकि आयकर के नियमों को सरल बनाया गया है। आय कर की नई योजना के अंतर्गत अब 12 लाख रुपए तक की आय पर शून्य आयकर लगाया जाएगा। आयकर रिटर्न फाइल करने हेतु समय सीमा को भी बढ़ाया जा रहा है। इस प्रकार, इस संदर्भ में आयकर नियमों को सरल बनाया जा रहा है वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत किए गए बजट की कुछ मुख्य विशेषताओं में वित्तीय अनुशासन का अनुपालन किया जाना भी शामिल है। बजटीय घाटे को 4.5 प्रतिशत के अंदर रखने का प्रयास सफल रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बजटीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत रखने में सफलता हासिल हुई है। जबकि, अमेरिका जैसे विकसित देश में भी आज बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 6 प्रतिशत से अधिक है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में बजटीय घाटे को कम करते हुए इसे 4.3 प्रतिशत तक नीचे लाने का प्रयास किया जा रहा है, हालांकि वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान पूंजीगत खर्चों में 1.1 लाख करोड़ रुपए की वृद्धि भी प्रस्तावित है।

विद्याकुंभ माघ मेला में सफाई कर्मियों के बच्चों के अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी संपन्न

शिक्षक, अभिभावक मिलकर बच्चों को दें अच्छी शिक्षा : बीएसए

विभाग ने बच्चों को कापी, किताब, ड्रेस सहित अन्य सुविधाएं दी : राजीव त्रिपाठी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा विभाग प्रयागराज की ओर से संचालित अस्थाई विद्याकुंभ माघ मेला परेड - 2026 में सफाई कर्मियों के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराए जाने के निमित्त सेनिटेशन कॉलोनी में विद्यालय में आज आयोजित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी (पीटीएम) का शुभारंभ बीएसए अनिल कुमार ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कियात कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए दिलीप कुमार मिश्र, प्रधानाध्यापक विद्या कुंभ विद्यालय ने बताया कि कुल नामांकित 333 बच्चे जो 03 प्रांतों के कुल 13 जनपदों से हैं, उन्हें नियमित रूप से शिक्षा प्रदान की जा रही है एवं बच्चों की शैक्षिक प्रगति साझा किए जाने के उद्देश्य से इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसके लिए शिक्षकों द्वारा अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करते हुए पत्र के माध्यम से उन्हें आमंत्रित किया गया है।

मुख्य अतिथि बीएसए अनिल कुमार ने कहा कि विद्यालय में शिक्षकों द्वारा बच्चों को दी जा रही शिक्षा को दैनिक रूप से परखने व निरंतर शैक्षिक गतिविधियों में रुचि लेना ही शिक्षण व्यवस्था को प्रभावी बना सकता है।

बीएसए ने अभिभावकों से संवाद स्थापित किया एवं प्रतिदिन समय से उपस्थित होने वाले बच्चों को स्टेशनरी, स्कूल बैग एवं विशेष उपहार प्रदान किया । जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी शिक्षकों को नियमित रूप से पूर्ण निष्ठा के साथ शैक्षिक पाठ्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संपादित किए जाने एवं अभिभावकों से निरंतर संपर्क बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, स्वेटर, जूता , मोजा , स्वेटर, स्टेशनरी , अभ्यास पुस्तिका उपलब्ध कराया गया और प्रतिदिन गुणवत्ता पूर्ण मध्याह्न भोजन खिलाया गया।

कार्यक्रम के संयोजक राजीव कुमार त्रिपाठी जिला समन्वयक, मध्याहन भोजन ने कहा कि अधिकांश अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति इस संगोष्ठी में दर्ज कराई है एवं अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे सकारात्मक पहल को अनुकरणीय बताया है जो हमारे लिए प्रेरणादायक है। शिक्षकों द्वारा बच्चों की कॉपियां, अभ्यास पुस्तिका, बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृति को उनके अभिभावको को दिखाया गया, जिसकी सराहना अभिवावकों द्वारा की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अभिभावकों, बच्चों को मिष्ठान एवं मध्याह्न भोजन की व्यवस्था गईं । कार्यक्रम में एजुकेट गर्ल्स संस्था के प्रतिनिधि अवनीश, शिव नाडर फाउंडेशन से साहब लाल, बाल विकास विभाग के अधिकारी गण एवं विद्या कुम्भ विद्यालय के शिक्षक/ शिक्षिका डॉ संगीता श्रीवास्तव, श्रीमती शैलजा यादव , श्रीमती माया गिरी, शशिकांत सिंह, श्रीमती हीरु यादव, श्रीमती विनीता शुक्ला, श्रेयसी दुबे , श्रद्धा श्रीवास्तव, मधुरिमा गुप्ता, प्रियंका, बृजेश यादव, उमाकांत शुक्ला सहित अन्य अनेक लोगों ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

कौड़िहार एवं श्रृंगवेरपुर का समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण संपन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दिव्यांग बच्चों का समावेशी शिक्षा योजना अंतर्गत पांच दिवसीय विकासखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण का उद्घाटन खंड शिक्षा अधिकारी कौड़िहार क्षमा शंकर पांडेय द्वारा 29 जनवरी 26 को किया गया था। प्रशिक्षण में विकासखंड कौड़िहार के 35 एवं श्रृंगवेरपुर के 40 अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि सामान्य बच्चों के साथ-साथ दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में लाने का सतत प्रयास होना चाहिए। प्रशिक्षण में संदर्भ दाता की भूमिका में नमिता सिंह, आशा यादव, ज्ञानेश्वर कुमार, अभिनव सिंह ने प्रशिक्षण के दौरान समावेशी शिक्षा दिव्यांगता के प्रकार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति पर अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया।प्रशिक्षण में समर्थ ऐप से संबंधित जानकारी भी दी गई।

50 दिन का होगा माघ मेला-2027 : मकर संक्रांति 14-15, पौष पूर्णिमा 22, मौनी आमावस्या छह फरवरी, महाशिवरात्रि छह मार्च

शिष्यों को माघ मेला में आने के लिए किया जा रहा अभी से आमंत्रित : बिनैका बाबा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज के संगम की रेती पर अगले वर्ष - 2027 में लगने वाला माघ मेला 50 दिन का रहेगा। इसकी तिथियां निकालकर संत, महात्माओं ने अपने शिष्यों और कल्पवासियों को अभी से बताना शुरु कर दिया है जिससे कि अगले वर्ष उनको माघ मेला में आने के लिए वह अभी से तैयारियां शुरू कर दें।

वर्ष-2027 में माघ मेला 50 दिनों का होगा, जो जनवरी से शुरू होकर मार्च तक चलेगा, इस दौरान छह मुख्य स्नान पर्व पड़ेगा। माघ मेला का पहला मुख्य स्नान पर्व मकर संक्रांति 14 - 15 जनवरी, दूसरा मुख्य स्नान पर्व पौष पूर्णिमा 22 जनवरी, तीसरा सबसे मुख्य स्नान पर्व मौनी आमावस्या का स्नान छह फरवरी, चौथा मुख्य स्नान पर्व बसंत पंचमी 11 फरवरी, पांचवां स्नान पर्व माघी पूर्णिमा 20 फरवरी और छठवां एवं अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि छह मार्च को है। इस प्रकार अगला माघ मेला वर्ष 2027 में 50 दिन का होगा। जगदगुरू स्वामी रामसुभगदास बिनैका बाबा ने बताया कि शिष्य और स्नानार्थी काम के व्यस्तता की वजह से फंसे रहते है ऐसे में उनको एक वर्ष पहले से माघ मेला कब से कब तक और उनकी प्रमुख तिथियों को बताना रहता है जिससे कि वह अगले वर्ष माघ मेला में समय निकालकर परिवार सहित आ सके। उन्होंने बताया कि महाकुंभ - 2025 के बाद से युवा वर्ग का झुकाव सनातन धर्म और कर्म की तरफ ज्यादा बढा है जो कि सनातन धर्म के लिए शुभ संकेत है।

वीडियो कॉल पर फंसाकर किराना व्यापारी से 99 हजार की साइबर ठगी, दी तहरीर

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के मलाका गांव में साइबर अपराधियों ने एक किराना व्यापारी को अपने जाल में फंसाकर 99 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित व्यापारी ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी हैमलाका गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार मौर्य पुत्र अमर मौर्य गांव में किराने की दुकान चलाते हैं। पीड़ित के अनुसार सोमवार को उनके मोबाइल फोन पर एक अज्ञात युवती का वीडियो कॉल आया। बातचीत के दौरान युवती ने किसी तरह की वीडियो रिकॉर्डिंग कर ली। इसके बाद युवती और उसके साथियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर व्यापारी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया।डर और सामाजिक बदनामी के भय से घबराए व्यापारी से साइबर अपराधियों ने अलग-अलग खातों में 99 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। रुपये ट्रांसफर होने के बाद भी आरोपी लगातार और पैसे की मांग करने लगे, तब पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ।इसके बाद धर्मेंद्र कुमार मौर्य मंगलवार को थरवई थाने पहुंचकर पूरे मामले की लिखित तहरीर दी और अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। थरवई पुलिस का कहना है कि मामला साइबर ठगी का है। जांच की जा रही है और साइबर सेल की मदद से आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अज्ञात वीडियो कॉल या लिंक से सतर्क रहें और इस तरह की घटना होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें।

किन्नर संतों ने मूर्ति विसर्जित कर किया स्नान, पूजन

महाशिवरात्रि पर किन्नर अखाडा करेगा स्नान : कल्याणीनंद गिरि

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां)ने आज माघ मेला के सेक्टर - 6 के नागवासुकी - हर्षवर्धन चौराहे पर लगे अखिल भारतीय कल्याणी सनातन सेवा ट्रस्ट के शिविर में स्थापित मां दुर्गा, मां बउचरा और मां काली की प्रतिमा का विधि विधान से पूजन- अर्चन के बाद धूमधाम से गंगा में आज विसर्जित किया। किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां) ने बताया कि यह प्रतिमाएं माघ मेला के पहले मुख्य स्नान पर्व पौष पूर्णिमा से शिविर में स्थापित थी जिनका सुबह, शाम प्रतिदिन पूजन और बडी संख्या में श्रदालुओं ने भी माघ मास में पूजन अर्चन कर आशीर्वाद लिया।किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने बताया कि ट्रस्ट के शिविर में माहभर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया जहां हजारो श्रद्धालुओं, शिष्यों ने प्रसाद लिया। महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज ने बताया कि माघ मेले के छठवें अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि का भी स्नान किन्नर अखाड़ा संगम पर सुबह आठ बजे किन्नर संतों, शिष्यों के साथ करेगा। इस दौरान किन्नर अखाडा की श्रीमहंत कामाक्षी नंद गिरि, शुभम नंद गिरि, हर्षिता नंद गिरि, मनीषा नंद गिरि, शिवानी नंद गिरि, आलिया नंद गिरि सहित अन्य प्रमुख लोग थे।

मदरसे के छात्र/छात्राओं को पुलिस ने महिला सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन, पुलिस द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में, क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के कुशल निर्देशन मे अरविन्द कुमार मौर्य प्रभारी निरीक्षक शिवनगर डिड़ई द्वारा मय मिशन शक्ति/ साइबर पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के थाना क्षेत्रांतर्गत जामिया इस्लामिया अकबरपुर जमुनी की छात्र/छात्राओं को नये कानून, महिला अपराध, साइबर अपराध व उससे बचाव के सम्बन्ध मे विस्तृत जानकारी दी गयी तथा मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को सम्बल निराश्रित महिला पेंशन योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया ।

नृत्य नाटिका ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीज़ेडसीसी), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं संस्कार भारती के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार की सांस्कृतिक संध्या नृत्य नाटिका, ब्रज की लोकधुनों और लोकनृत्यों के रंग में रंगी रही। माघ मेला क्षेत्र में आयोजित इस संध्या ने दर्शकों को भक्ति, कला और लोक संस्कृति की अविस्मरणीय अनुभूति कराई।

कार्यक्रम की शुरुआत कृष्ण लीला पर आधारित नृत्य नाटिका से हुई, जिसमें तरुण चोपड़ा एवं उनके साथी कलाकारों ने श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर उनकी विविध लीलाओं को अत्यंत सजीव ढंग से प्रस्तुत किया। नृत्यनाटिका में माखन चोरी, गोपियों संग रास, कालिया नाग मर्दन, फूलों की होली, मयूर नृत्य, लठमार होली तथा राधिका रानी के साथ प्रेम प्रसंग जैसे प्रसंगों को भावपूर्ण अभिनय और नृत्य के माध्यम से दर्शाया गया। इन लीलाओं ने दर्शकों का मन मोह लिया।

इसके बाद मथुरा से आए अरुण रावल एवं उनके दल ने ब्रज के प्रसिद्ध लोकगीतों की प्रस्तुति दी। 'रंगीली मनमोहन होरी रे', 'करियो करियो बेड़ापार', 'श्री गोवर्धन गिरधारी', 'हे महाकुंभ दरबार' और 'साधु-संतों को मेला है' जैसे गीतों पर श्रोताओं ने खूब तालियां बजाईं।

इसके बाद जटाशंकर एवं दल द्वारा प्रस्तुत चोलर लोकनृत्य ने मंच पर लोक परंपरा की जीवंत झलक दिखाई। अगली कड़ी में हरिश्चंद्र पाण्डेय ने 'अच्युतम केशवम् राम दामोदरम' और 'अवध में राम आए हैं' जैसे भजनों की सुमधुर प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. अखिलेश दुबे, अकादमिक निदेशक (महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज) व केंद्र उपनिदेशक डॉ. आदित्य कुमार श्रीवास्तव एवं उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय ने सभी कलाकारों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रभारी कार्यक्रम कृष्णमोहन द्विवेदी, कार्यक्रम अधिशाषी मधुकांक मिश्रा व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

थरवई में चोरों ने लाखों के जेवरात किया पार

थरवई। थाना क्षेत्र के बेलवा गांव निवासी राम अवध पुत्र स्वर्गीय श्रीनाथ के घर पर परिवार के लोग सोते रहे चोरों ने चोरी की उन घटना को अंजाम देकर भाग निकले अज्ञात चोरों ने अलमारी बक्से का ताला तोड़कर लाखों के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना उस समय हुई जब घर की बहू बाहर स्थित बाथरूम गई हुई थी। लौटकर आने पर देखा कि घर का दरवाजा खुला हुआ था और अंदर रखे बक्से व अलमारी का ताला टूटा पड़ा था। परिजन बगल के कमरे में सो रहे थे पति सिंचाई विभाग में नौकरी करता है रात में वह ड्यूटी पर गया हुआ था चोरों ने मौके का फायदा उठाते हुए बक्से व अलमारी में रखे लगभग 20 ग्राम सोना और करीब दो किलो चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। घटना की जानकारी होते ही पीड़ित राम अवध ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जांच-पड़ताल कर वापस लौट गएपीड़ित ने थरवई के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार पांडे कोलिखित तहरीर दी है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12 के छात्र-छात्राओं को दी गई भावभीनी विदाई

प्रयागराज। थरवई स्थित स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 12 में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई।दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इनमें शिक्षण कार्य में बेहतर प्रदर्शन, परामर्श क्षमता, चित्रकला सहित अन्य गतिविधियों में विशेष योग्यता दिखाने वाले छात्र-छात्राएं शामिल रहे। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक विजय कुमार तिवारी सहित विद्यानंद द्विवेदी, दिनेश पांडे, आशुतोष पांडे, गौरव उपाध्याय, अनुराधा त्रिपाठी, शालिनी शुक्ला, सुशांत पांडे, यादवेंद्र कुमार पांडे सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

विश्व कैंसर दिवस पर स्वामी जी का संदेश 'प्रकृति से जुड़ें, कैंसर से बचें'

हमारी भारतीय संस्कृति और ऋषि परंपरा में स्वास्थ्य का संपूर्ण विज्ञान छिपा है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज ने मानव जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति के गहरे संबंध पर प्रकाश डालते हुए अपने संदेश में कहा कि कैंसर केवल एक शारीरिक बीमारी ही नहीं, बल्कि हमारी असंतुलित जीवनशैली का भयावह परिणाम है। यदि हम अपनी प्राचीन ऋषि परंपरा की ओर लौटें, प्राकृतिक जीवनशैली अपनाएँ और पंचतत्वों के निकट रहें, तो अनेक गंभीर बीमारियों से स्वतः ही बचाव संभव है।

स्वामी जी ने कहा, 'हमारा शरीर प्रकृति का ही अंश है। जब हम प्रकृति से दूर जाते हैं, कृत्रिमता को अपनाते हैं, तब बीमारियाँ हमारे जीवन में प्रवेश करती हैं। लेकिन जब हम धरती, जल, वायु, अग्नि और आकाश इन पंचतत्वों के साथ सामंजस्य बनाकर जीते हैं, तब हमारा शरीर स्वयं ही रोगों से लड़ने की शक्ति विकसित कर लेता है।'

स्वामी जी ने प्राकृतिक और सात्त्विक आहार को सर्वोत्तम औषधि बताते हुए कहा, 'ताजा, जैविक, घर का बना हुआ भोजन ही वास्तविक पोषण देता है। जो भोजन प्रकृति के जितना निकट होगा, वह हमारे शरीर के लिए उतना ही अमृत समान होगा।' उन्होंने हरी सब्जियाँ, मौसमी फल, अनाज, अंकुरित आहार और शुद्ध जल के सेवन पर बल दिया।

उपवास की महत्ता समझाते हुए उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों ने उपवास को उपहार स्वरूप बताते हुये कहा कि उपवास वास्तव में शरीर की शुद्धि और डिटॉक्स का विज्ञान है। उपवास से शरीर को विश्राम मिलता है, पाचन तंत्र मजबूत होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। यह कैंसर सहित अनेक रोगों से बचाव का सरल और प्रभावी उपाय है।

स्वामी जी ने योग, प्राणायाम और ध्यान को स्वास्थ्य की कुंजी बताते हुए कहा कि मानसिक तनाव आज कई बीमारियों की जड़ है। 'जब मन शांत होता है, तो शरीर भी स्वस्थ रहता है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें संतुलन, सकारात्मकता और आंतरिक शक्ति प्रदान करता है।'

उन्होंने युवाओं का आहवान करते हुए कहा कि आधुनिकता को अपनाएँ, लेकिन अपनी जड़ों को न भूलें। 'हमारी भारतीय संस्कृति और ऋषि परंपरा में स्वास्थ्य का संपूर्ण विज्ञान छिपा है। यदि युवा पीढ़ी प्राकृतिक जीवनशैली, समय पर भोजन, पर्याप्त नींद, नियमित व्यायाम और सकारात्मक सोच अपनाए, तो वे स्वयं स्वस्थ रहेंगे, साथ ही समाज को भी स्वस्थ बना सकेंगे।'

स्वामी जी ने संदेश दिया कि 'रोग से लड़ने से बेहतर है रोग को आने ही न दें। प्रकृति हमारी सबसे बड़ी चिकित्सक है। उसके करीब रहेंगे, तो कैंसर जैसी बीमारियाँ हमसे दूर रहेंगी।'

आइए विश्व कैंसर दिवस पर संकल्प लें पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएँगे, जैविक और ताजा भोजन अपनाएँगे, नियमित योग-प्राणायाम करेंगे और प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जिएँगे।

निर्वाचन कार्य में लगें बीएलओ से प्रधान ने की मारपीट, संघ ने आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

सिद्धार्थनगर। जिले की शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के बूथ संख्या 45 पर बीएलओ के रूप में तैनात शिक्षामित्र विजय कुमार के साथ हुई मारपीट की घटना से जिले का शिक्षक समाज आक्रोशित है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।संघ के जिलाध्यक्ष एवं प्रान्तीय उपाध्यक्ष राधेरमण त्रिपाठी ने बताया कि एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण निर्वाचन कार्य में लगे कर्मी के साथ इस प्रकार की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मारपीट में घायल बीएलओ शिक्षामित्र की शारीरिक और मानसिक स्थिति गंभीर बनी हुई है। हालांकि घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। लेकिन अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार भय के साए में जीवन व्यतीत कर रहा है।उन्होंने कहा कि इस घटना से जिले में निर्वाचन कार्य में लगे अन्य शिक्षक, शिक्षामित्रों व बीएलओ के बीच भी असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो गई है।

पुलिस ने वारण्टी अभियान के तहत दो नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण, अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत न्यायालय सि0 जज जू0डि0/जे0एम0 बांसी द्वारा निर्गत वारण्ट दण्ड वाद संख्या 1669/08 बनाम प्रमोद मिश्रा उर्फ पप्पू धारा 352/504/506/427 थाना खेसरहा से सम्बन्धित वारण्टीगण प्रमोद उर्फ पप्पू पुत्र श्यामलाल दूसरा अजय पुत्र रमाकान्त निवासी गण बनुहिया बुजुर्ग से उप निरीक्षक जयप्रकाश सिंह, हेड कांस्टेबल जालन्धर प्रसाद, हेड कांस्टेबल धर्मेन्द्र कुमार की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय जे0एम0 बांसी भेजा।

पालिका की मेहरबानी, कुत्ते बने पहलवान!

भिवंडी में 6 साल में 67 हजार लोग डॉग बाइट का शिकार, नसबंदी-टीकाकरण फेल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में आवारा स्वानों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में 12 वर्षीय बच्चे की स्वान के काटने से हुई मौत ने एक बार फिर नगर पालिका के स्वच्छता और आरोग्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालात यह हैं कि बीते लगभग छह वर्षों में भिवंडी शहर में 67,183 लोग स्वान बाइट का शिकार हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद मनपा प्रशासन की कार्रवाई बेहद सुस्त नजर आ रही है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति और भी डरावनी है। सिर्फ जनवरी 2026 में ही 1062 लोगों को कुत्तों ने काटा है। वहीं, पिछले एक वर्ष में 11,037 लोग स्वान हमले में घायल हुए। शहर में अनुमानित 14 हजार से अधिक आवारा स्वान सड़कों और गलियों में झुंड बनाकर घूम रहे हैं, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों की जान हमेशा खतरे में रहती है। कई मामलों में डर के कारण वाहन चालक दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके हैं।

मनपा द्वारा आवारा स्वानों की नसबंदी और रेबीज टीकाकरण का ठेका हैदराबाद की 'वेट्स सोसाइटी फॉर एनिमल वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट' को पांच वर्षों के लिए दिया गया है। लक्ष्य 13,500 स्ट्रीट डॉग्स की नसबंदी का था, लेकिन जनवरी 2026 तक 15 माह में सिर्फ 6134 स्वानों की ही नसबंदी हो सकी है। यानी रोजाना औसतन मात्र 13 स्वानों की नसबंदी। यही नहीं, टीकाकरण की रफ्तार भी बेहद धीमी है, जिससे स्वानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। ईदगाह, शांतिनगर, कामतघर, नागांव, गायत्रीनगर, निजामपुर और कोंबडपाड़ा जैसे इलाकों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। नागरिकों का आरोप है कि स्वान पकड़ने वाले ठेकेदार के कर्मचारी कभी-कभार ही नजर आते हैं। नसबंदी के बाद पहचान के लिए कान पर लगाया जाने वाला निशान भी इतना छोटा होता है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा स्वान नसबंद है और कौन नहीं। स्वान बाइट के इलाज को लेकर भी भ्रम और नाराजगी है। हालांकि आईजीएम उपजिला अस्पताल की अधीक्षक डॉ. माधवी पंधारे का कहना है कि रैबीज इंजेक्शन उपलब्ध रहते हैं, लेकिन कभी-कभी मरीजों की संख्या अधिक होने से अस्थायी कमी हो जाती है। मनपा के मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने स्पष्ट किया कि आईजीएम और बीजीपी अस्पताल में एंटी-रेबीज वैक्सीन पर्याप्त है और अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 तक हजारों मरीजों का इलाज किया गया है। बहरहाल, बढ़ते हमलों और मौतों ने जनता में गुस्सा भर दिया है। सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने मनपा से नसबंदी व टीकाकरण अभियान को युद्धस्तर पर चलाने की मांग की है, ताकि भिवंडी को इस 'डॉग टेरर' से निजात मिल सके।

फिर एक ही दिन में तीन नाबालिग बच्चों का अपहरण, शहर में दहशत – पुलिस फिर बेखबर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में नाबालिग बच्चों के अपहरण की घटनाएं अब आम होती जा रही हैं। ताजा मामला तो और भी ज्यादा डराने वाला है, जहां एक ही दिन में अलग-अलग इलाकों से तीन नाबालिग बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता हो गए। 13, 14 और 15 वर्ष के इन बच्चों के गायब होने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। बढ़ती घटनाओं के बावजूद पुलिस की सुस्त कार्यप्रणाली ने अभिभावकों की चिंता को कई गुना बढ़ा दिया है। पुलिस के मुताबिक पहली घटना नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज गुन्हा रजिस्टर क्रमांक 90/2026 के अनुसार, काल्हेर गांव से 2 फरवरी को दोपहर करीब एक बजे 13 वर्ष 3 माह की नाबालिग बच्ची अचानक लापता हो गई। बच्ची के पिता जो मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, ने आरोप लगाया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया। दिन भर तलाश के बाद भी बच्ची का कोई सुराग नहीं मिला, जिसके बाद अगले दिन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। इसी पुलिस थाना क्षेत्र में दूसरा मामला सामने आया, जिसने पुलिस की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए। गुन्हा रजिस्टर क्रमांक 91/2026 के तहत दर्ज शिकायत

के अनुसार, गुंदवली इलाके से 15 वर्षीय लड़का 2 फरवरी की शाम चार बजे के आसपास अचानक गायब हो गया। परिजनों को आशंका है कि किसी अज्ञात शख्स ने बच्चे को फुसलाकर ले गया है। हैरानी की बात यह है कि इलाके में पहले से सीसीटीवी कैमरे लगे होने के बावजूद अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

तीसरी और सबसे चौंकाने वाली घटना कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र से सामने आई है। 14 वर्षीय बच्ची 3 फरवरी की सुबह घर के पास दुकान से नाश्ता लाने गई थी, लेकिन फिर कभी घर नहीं लौटी। पिता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को संदेह है कि बच्ची को भी किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर ले गया।

तीनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओ के तहत अपहरण का अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और मुखबिरों के सहारे जांच का दावा कर रही है, लेकिन लगातार सामने आ रही घटनाओं ने पुलिस की कथित 'सक्रियता' की पोल खोल दी है। भिवंडी में पिछले कुछ हफ्तों से नाबालिगों के गायब होने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, लेकिन अब तक किसी ठोस कार्रवाई या सफलता की खबर सामने नहीं आई है। बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों में गुस्सा और डर दोनों साफ नजर आ रहे हैं। लोगों का सवाल सीधा है– क्या भिवंडी में बच्चे अब सुरक्षित नहीं है।

जनगणना 2027 की तैयारी में जुटी महानगरपालिका, डिजिटल प्रणाली से होगी गणना

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

देश की आज़ादी के बाद होने वाली आठवीं जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा मंगलवार को महानगरपालिका मुख्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण के लिए जनगणना संचालनालय की ओर से सहायक संचालक प्रविण भगत और वरिष्ठ निरीक्षक (ग्रेड-1) अरुण सालगांवकर की नियुक्ति की गई थी। मंगलवार 03 फरवरी 2026 को आयोजित इस कार्यक्रम में महानगरपालिका के प्रधान जनगणना अधिकारी एवं आयुक्त, शहर जनगणना अधिकारी व उपायुक्त (प्रशासन), प्रभाग अधिकारी तथा चार्ज अधिकारियों को घर सूचीकरण और समूह गठन से संबंधित जानकारी दी गई। अधिकारियों को आगामी जनगणना प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश समझाए गए।

इस बार की जनगणना की विशेषता यह रहेगी कि पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपन्न की जाएगी। इसके लिए जनगणना संचालनालय द्वारा स्वतंत्र सेंसस मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) पोर्टल तैयार किया गया है, जिसके जरिए आंकड़ों का संकलन और प्रबंधन किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, उपायुक्त (प्रशासन) विक्रम दरादे, सहायक आयुक्त (जनगणना) नितीन पाटील, विभाग प्रमुख (जनगणना) अजीत महाडिक सहित महानगरपालिका के निर्माण व नगररचना विभाग के अभियंता, प्रभाग अधिकारी और कर निरीक्षक उपस्थित थे।

?महानगरपालिका प्रशासन की ओर से बताया गया कि जनगणना 2027 को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जा रही हैं।

पाइप लाइन बार-बार टूट रही, शहर प्यासा

भिवंडी जलापूर्ति की कमान 'प्रभारी राज' में, संदीप पटनावर पर उठे गंभीर सवाल

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर की जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे चल रही है। कभी सड़क खुदाई, कभी घटिया मरम्मत और कभी प्रशासनिक लापरवाही–नतीजा यह कि शहर बार-बार पानी की घोर किल्लत झेलने को मजबूर है। ताजा मामला गौतम कंपाउंड का है, जहां सड़क निर्माण के दौरान मुंबई मनपा की 600 एमएम की मुख्य पाइप लाइन एक बार फिर फूट गई। हजारों लीटर पानी यूं ही सड़कों पर बह गया और शहर के कई इलाकों में सप्लाई ठप हो गई।

मनपा जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर भले ही इसे 'तत्काल दुरुस्ती' बताकर अपनी पीठ थपथपा रहे हों, लेकिन हकीकत यह है कि ऐसी घटनाएं अब आम हो चुकी हैं। सवाल यह है कि आखिर एक ही तरह की लापरवाही बार-बार क्यों हो रही है? क्या पाइप लाइन की सुरक्षा और समन्वय की जिम्मेदारी केवल कागजों तक सीमित है।

सूत्रों के मुताबिक भिवंडी मनपा के वाटर सप्लाई विभाग में इंजिनियरों के कुल 10 पद वर्षों से खाली पड़े हैं। हालात इतने बदतर हैं कि प्रभारी कार्यकारी

अभियंता और प्रभारी कनिष्ठ इंजिनियरों के सहारे विभाग चलाया जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि बांधकाम विभाग के इंजिनियर सरफराज अंसारी को एक नहीं चार प्रभाग (1,3,4,5) को जलापूर्ति विभाग का जिम्मा सौंप दिया गया है, और किरण गावडे को प्रभाग 2 की जवाबदेही सौपा गया है। जबकि कुछ मामलों में सफाई कर्मियों और क्लर्क दर्जे के कर्मचारियों को भी 'प्रभारी कनिष्ठ अभियंता' बना दिया गया है।इतना ही नहीं, इन प्रभारी अभियंताओं को किसी भी महत्वपूर्ण फाइल पर हस्ताक्षर करने से सख्त मनाही है। यानी जिम्मेदारी उनके कंधों पर, लेकिन अधिकार शून्य। ऐसे में न तो स्थायी निर्णय लिए जा रहे हैं और न ही दीर्घकालीन समाधान पर काम हो पा रहा है। इसका सीधा खामियाजा शहर की जनता भुगत रही है। गौतम कंपाउंड की घटना में मनपा के 12 कर्मचारियों ने 12 घंटे मेहनत कर पाइप लाइन दुरुस्त कर दी और 15 घंटे बंद रहने वाली पानी सप्लाई 13 घंटे में बहाल कर दी गई। लेकिन सवाल यह नहीं कि मरम्मत कितनी जल्दी हुई, सवाल यह है कि पाइप लाइन बार-बार टूट ही क्यों रही है। शहरवासियों का आरोप है कि जब तक जलापूर्ति विभाग में स्थायी इंजिनियरों की नियुक्ति नहीं होती और कार्यकारी अभियंता संदीप पटनावर की कार्यशैली की उच्चस्तरीय जांच नहीं होती, तब तक भिवंडी को पानी संकट से राहत मिलना मुश्किल है। बार-बार फूटती पाइप लाइनें अब 'दुर्घटना' नहीं, बल्कि सिस्टम फेलियर की खुली निशानी बन चुकी हैं।

भिवंडी में बढ़े महिला उत्पीड़न और नाबालिग से दुष्कर्म के मामले,बढ़ी चिंता

एक ही दिन दहेज प्रताड़ना,घरेलू हिंसा व अश्लीलता के तीन केस दर्ज,एक गिरफ्तार

भिवंडी। भिवंडी में इन दिनों दहेज प्रताड़ना,घरेलू हिंसा व नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के मामलों में जोरदार वृद्धि हो रही है।एक ही दिन इस प्रकार के तीन मामले यहां के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज कराए गए है।जिसमें से पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।शहर में बढ़ती उक्त घटनाओं से शहर में चिंता है। भिवंडी की शांतिनगर पुलिस स्टेशन में एक 33 वर्षीय महिला ने अपने पति आलोक रामलखन वैश्य (29) पर शराब के नशे में गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि वर्ष 2021 से अब तक ससुराल में उसके साथ लगातार क्रूरता की गई और उसे तथा उसकी बेटी को किसी भी प्रकार का खर्च देने से इनकार किया गया।इसी तरह नारपोली पुलिस स्टेशन में एक 37 वर्षीय महिला ने शिकायत दर्ज कराया है कि मायके से कम दहेज मिलने के कारण उसके पति प्रमोद शिंदे, सास, दो देवर, ननद और बहनोई ने आपस में मिलकर उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ना किया। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसे 'अच्छी नहीं दिखती', 'मायके से कुछ नहीं लाई' जैसे अपमानजनक शब्दों से लगातार ताने मारे गए और मारपीट भी की गई। फिलहाल पुलिस ने महिला की शिकायत पर ससुराल पक्ष के 6 लोगों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया है।जिसके बाद सभी आरोपी फरार हैं।

13 वर्षीय बच्ची से यौन उत्पीड़न की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी शहर पुलिस ने राजकुमार भारती (25)को पॉक्सो एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि 3 फरवरी 2026 को दोपहर के समय उक्त आरोपी ने 13 वर्षीय नाबालिग बच्ची को घर में अकेला पाकर जबरन घर में घुसकर दरवाजा बंद कर लिया और उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। इस घटना से बच्ची को गहरा मानसिक आघात पहुंचा है।

पुलिस का कहना है कि सभी मामलों की गंभीरता से जांच की जा रही है। घरेलू हिंसा और महिला उत्पीड़न के मामलों में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं, वहीं पॉक्सो मामले में आरोपी को कोर्ट ने पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

चोरी की तीन वारदातों से दहशत, कपड़े और दोपहिया वाहन उड़ाए

तीन अलग-अलग थानों में मामले दर्ज

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते दिनों शहर के अलग-अलग इलाकों में चोरी की तीन वारदातें सामने आई हैं। एक मामले में गोदाम से कपड़े चोरी हुए तो कहीं होंडा कंपनी के दोपहिया वाहन चोरों ने निशाना बनाए। तीनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहली घटना भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता 45 वर्षीय मेहुल फुटरमल जैन ने पुलिस को बताया कि 24 और 25 जनवरी की दरमियानी रात उनके कपड़े के गोदाम में अज्ञात चोरों ने खिड़की के रास्ते प्रवेश किया। चोरों ने गोदाम में रखे करीब 36 हजार रुपये मूल्य के कपड़े चुरा लिए। घटना का पता सुबह चलने पर उन्होंने तुरंत थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया है।

दूसरी वारदात भी भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता हरिशंकर रामबहादुर उपाध्याय ने बताया कि 31 जनवरी और 1 फरवरी

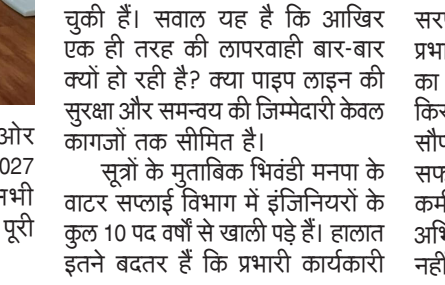

की रात उनके घर के नीचे पार्क की गई होंडा कंपनी की एक्टिवा स्कूटर को अज्ञात चोर चुरा ले गए। स्कूटर की कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई जा रही है। सुबह वाहन न मिलने पर उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं।

तीसरी चोरी की घटना निजामपुरा पुलिस थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता हसनैन असरार अहमद अंसारी ने पुलिस को बताया कि 31 जनवरी की सुबह करीब 9.30 से 10.30 बजे के बीच उनके अपार्टमेंट के नीचे पार्क की गई होंडा कंपनी की मोटरसाइकिल चोरी हो गई। बाइक की अनुमानित कीमत 30 हजार रुपये है। घटना के बाद उन्होंने निजामपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। तीनों मामलों में समान बात यह है कि आरोपियों का अब तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामले दर्ज कर लिए हैं और आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय नागरिकों में दहशत का माहौल है और उन्होंने रात में गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बीजेपी का राहुल गांधी पर अब तक का सबसे बड़ा हमला, कहा- 'एक झूठा बन गया है LoP'

तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के उस दावे की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें संसद में बोलने से रोका गया था। एएनआई से बात करते हुए, तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं, भारत के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और भारतीय सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। राव ने कहा कि राहुल गांधी की आदत बन गई है कि वे झूठे दावे करते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है, साथ ही हमारे

लोकतंत्र पर सवाल उठाते हैं और हमारे सशस्त्र बलों का अपमान करते हैं। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी राहुल गांधी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। राज्य भाजपा अध्यक्ष ने आगे दावा किया कि गांधी संसद में जनहित के मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। राव ने आगे कहा कि पक्षपात के नेता के रूप में, वे सार्वजनिक मुद्दों को उठाने के अपने कर्तव्य को भूल गए हैं। लोग उन्हें सशस्त्र बलों और राष्ट्र का अपमान करते हुए देखते हैं, फिर भी वे कहते हैं कि उन्हें बोलने नहीं दिया जा रहा है। यह कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है, जहाँ एक झूठा व्यक्ति पक्षपात का नेता बन गया है।

इससे पहले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर बोलने से रोके जाने पर चिंता व्यक्त की थी। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस दस्तावेज़ का हवाला देना चाहते थे, उसे प्रमाणित करवाकर संसदीय परंपरा का पालन किया था, लेकिन इस आवश्यकता को पूरा करने के बावजूद उन्हें निचले सदन में इसका हवाला देने की अनुमति नहीं दी गई।

पत्र में लिखा था कि कल, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर प्रस्ताव पर बोलते समय, आपने मुझे उस पत्रिका को प्रमाणित करने का निर्देश दिया था जिसका मैं उल्लेख करने वाला था। मैंने आज अपना भाषण पुनः शुरू करते समय दस्तावेज़ को प्रमाणित कर दिया। दीर्घकालिक परंपरा के अनुसार, जिसमें पूर्व अध्यक्षों के बार-बार दिए गए निर्णय भी शामिल हैं, सदन में किसी दस्तावेज़ का उल्लेख करने के इच्छुक सदस्य को उसे प्रमाणित करना और उसकी सामग्री के लिए ज़िम्मेदारी स्वीकार करना आवश्यक है। एक बार यह आवश्यकता पूरी हो जाने पर, अध्यक्ष सदस्य को दस्तावेज़ का उद्धरण देने या उसका उल्लेख करने की अनुमति देते हैं। इसके बाद, सरकार की ज़िम्मेदारी बनती है कि वह जवाब दे, और अध्यक्ष की भूमिका समाप्त हो जाती है।

हिबा राणा का आरोप- 20 लाख के लिए पीटा, फिर दिया तीन तलाक, पति पर गंभीर धाराओं में दहेज का मामला दर्ज

लखनऊ **(एजेंसी)**। हिबा राणा की बहन उरुसा राणा, जिन्हें कथित तौर पर उनके पति ने तीन तलाक दे दिया था, ने कहा कि मामला अदालत में चल रहा है और अदालत जो भी फैसला लेगी, परिवार उसका सम्मान करेगा। उन्होंने एएनआई को बताया, 'यह पारिवारिक मामला है और अदालत पहले से ही इस मामले की सुनवाई कर रही है। अदालत जो भी फैसला करेगी, हम उसका पालन करेंगे। वह मेरी सबसे छोटी बहन है, जिसकी शादी 2013 में हुई थी। मैं ज्यादा जानकारी नहीं दे सकती क्योंकि यह उनका पारिवारिक मामला है, राजनीतिक नहीं। मुझे नहीं पता कि तीन तलाक दिया गया है या नहीं। मैं मीडिया से अनुरोध करती हूं कि वे इस मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। हम अदालत के फैसले का सम्मान करेंगे। प्रसिद्ध कवि मुनव्वर राणा की बेटी हिबा राणा ने आरोप लगाया कि उनके पति सैयद मोहम्मद साकिब ने उन्हें तीन तलाक देने के बाद घर से निकाल दिया। इसके बाद, सदातगंज पुलिस स्टेशन में दहेज उत्पीड़न और मारपीट का मामला दर्ज किया गया।

हिबा राणा की शिकायत के आधार पर उनके पति और ससुराल वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85, 115 (2), 351 (2) और 352, दहेज निषेध अधिनियम, 1961 की धारा 3 और 4 तथा मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 की धारा 3 और 4 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपों में गंभीर अपराध शामिल हैं। एफआईआर के अनुसार, हिबा राणा ने 19 दिसंबर, 2013 को मुस्लिम (सुन्नी) रीति-रिवाजों के अनुसार सैयद साकिब से शादी की। हालांकि, शादी के तुरंत बाद ही अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उत्पीड़न शुरू हो गया। याचिकाकर्ता के पिता और परिवार ने साकिब को दहेज के रूप में सोने-हीरे के आभूषण और 10 लाख रुपये दिए। शादी के बाद, याचिकाकर्ता अपने ससुराल गई और पत्नी के कर्तव्यों का पालन किया।

भारत से मैच का बहिष्कार करने पर भारतीय कप्तान की पीसीबी को सख्त चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के खिलाफ मुकाबले के बहिष्कार को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर जोरदार हमला बोला है। कपिल का मानना है कि यह फैसला पाकिस्तान क्रिकेट के लिए बेहद नुकसानदायक साबित होगा और इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उसकी साख को गहरा झटका लगेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसले से खेल से ज्यादा राजनीति हावी नजर आती है, जो क्रिकेट के भविष्य के लिए सही नहीं है। कपिल देव ने खास तौर पर पाकिस्तान की युवा पीढ़ी को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर खिलाड़ियों की इच्छा के बिना बोर्ड ऐसे फैसले लेता है, तो यह अपने ही क्रिकेटरों के साथ अन्याय है। कपिल के मुताबिक, पाकिस्तान ने दुनिया को कई बेहतरीन खिलाड़ी दिए हैं, लेकिन अगर उन्हें वर्ल्ड कप जैसे मंच पर खेलने से रोका गया, तो यह सीधे तौर पर खेल और खिलाड़ियों–दोनों को नुकसान पहुंचाएगा। कपिल देव ने बातचीत में कहा, 'अगर यह फैसला खिलाड़ियों का होता तो वे सामने आकर बोलते। लेकिन जब बोर्ड तय करता है कि आप नहीं खेलेंगे, तो देश की छवि खराब होती है। यह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत नहीं है। आप पूरी पीढ़ी को खत्म कर रहे हैं।'

एशियन गेम्स 2026 से पहले मुख्य कोच का साफ संदेश, फिटनेस और टीम एकजुटता पर जोर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच स्योर्ड मारिज्ने ने एशियन गेम्स 2026 और लॉस एंजिलिस ओलंपिक चक्र की तैयारियों को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं। चार साल बाद दिसंबर 2025 में महिला कार्यक्रम से दोबारा जुड़े डच कोच ने कहा कि इस समय टीम के लिए सबसे अहम पहलू फिटनेस और आपसी तालमेल को मजबूत करना है।

मारिज्ने ने कहा कि मौजूदा चरण में फिटनेस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, क्योंकि यह टीम के प्रदर्शन की बुनियाद है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को एक मजबूत इकाई के रूप में काम करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जब टीम शारीरिक रूप से फिट और मानसिक रूप से एकजुट होगी, तभी तकनीकी और रणनीतिक पहलुओं पर प्रभावी ढंग से काम किया जा सकेगा।

भारतीय महिला टीम की नजर मार्च 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर पर है। इसके अलावा एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र के अन्य बड़े टूर्नामेंट भी टीम की तैयारियों का अहम हिस्सा हैं। इन प्रतियोगिताओं को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।

मारिज्ने ने बेंगलुरु स्थित साई के क्षेत्रीय केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप की कमान संभाल ली है, जो 18 फरवरी तक चलेगा। शुरुआत में इस शिविर में 49 खिलाड़ी शामिल थे, जिनमें 43 सीनियर और छह जूनियर थीं। हॉकी इंडिया के चयन ट्रायल के बाद टीम को घटाकर 29 खिलाड़ियों तक सीमित किया गया।

कोच ने बताया कि वह धीरे-धीरे खिलाड़ियों को व्यक्तिगत स्तर पर समझने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ खिलाड़ियों से वह पहले से परिचित हैं, लेकिन बाकी के साथ तालमेल बैठाने में समय लग रहा है। इस प्रक्रिया में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोचों की भूमिका अहम रही है, जो खिलाड़ियों की फिटनेस और रिकवरी पर लगातार मार्गदर्शन दे रहे हैं।

मारिज्ने का मानना है कि इस समय रणनीतिक ढांचे से ज्यादा जरूरी खिलाड़ियों के शरीर और समग्र फिटनेस को सही ढंग से संभालना है। उन्होंने कहा कि टीम एक साझा लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है और यही वजह है कि उन्होंने एक बार फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के साथ जुड़ने का फैसला किया।

सिग्नेचर ग्लोबल को अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 45 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रियल एस्टेट कंपनी सिग्नेचर ग्लोबल ने कम आय के कारण अक्टूबर-दिसंबर 2025 में 45.33 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा दर्ज किया। कंपनी ने अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 29.13 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। शेयर बाजार को मंगलवार को दी सूचना के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में कुल आय घटकर 312.76 करोड़ रुपए रह गई, जो गत वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में 862.14 करोड़ रुपए थी।

सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) लिमिटेड के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान स्थिर प्रदर्शन जारी रखा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि रियल एस्टेट बाजार में कुछ नरमी देखने को मिली है लेकिन मौजूदा माहौल स्पष्ट रूप से उन डेवलपर के पक्ष में है जिनका गुणवत्ता वाले मकानों की समय पर आपूर्ति और उपभोक्ता-केंद्रित पेशकशों का मजबूत रिकॉर्ड है।''

सिग्नेचर ग्लोबल देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है। यह 2024-25 वित्त वर्ष में बिक्री बुकिंग के लिहाज से पांचवीं सबसे बड़ी सूचीबद्ध रियल्टी कंपनी बनकर उभरी थी। गत वित्त वर्ष में कंपनी ने रिकॉर्ड 10, 290 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग दर्ज की थी। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए 12, 500 करोड़ रुपए की बिक्री बुकिंग का लक्ष्य रखा है। हालांकि गुरुग्राम में आवासीय मांग में सुस्ती के कारण इस लक्ष्य को हासिल करना मुश्किल माना जा रहा है।

क्रिप्टो मार्केट में उथल-पुथल एक हफ्ते में 467 अरब डॉलर स्वाहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में बीते कुछ दिनों में आई भारी गिरावट के बाद अब हल्की रिकवरी के संकेत दिखने लगे हैं, हालांकि बाजार में अस्थिरता अभी भी बनी हुई है। कॉइनगेको के आंकड़ों के अनुसार, 29 जनवरी के बाद कुल क्रिप्टो मार्केट कैप में करीब 467.6 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई है। इस गिरावट में बिटकॉइन सबसे ज्यादा दबाव में रहा, जो हाल ही में 15 महीनों के निचले स्तर 72, 877 डॉलर तक फिसल गया था, यह स्तर आखिरी बार नवंबर 2024 में देखा गया था। फिलहाल इसमें मामूली सुधार देखने को मिला है और यह करीब 76, 681 डॉलर के आसपास कारोबार कर रहा है।

इस साल अब तक बिटकॉइन लगभग 13इ टूट चुका है और अक्टूबर 2025 के अपने ऑल-टाइम हाई 1, 26, 000 डॉलर से करीब 39इ नीचे बना हुआ है। बाजार की यह कमजोरी केवल क्रिप्टो तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक मैक्रोइकॉनॉमिक दबाव, भू-राजनीतिक तनाव और लिक्विडिटी की कमी जैसे बड़े कारक भी निवेशकों के रुख को प्रभावित कर रहे हैं। अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सख्त मौद्रिक नीतियों के कारण निवेशक जोखिम वाले एसेट्स से दूरी बना रहे हैं, जिससे क्रिप्टो बाजार में बिकवाली तेज हुई है।

जानकारों के मुताबिक, हाल की गिरावट पोजीशन रीसेट, लीवरेज्ड लिक्विडेशन और कमजोर निवेशक भावनाओं का संयुक्त असर है। कम लिक्विडिटी के माहौल में छोटे बदलाव भी बड़े उतार-चढ़ाव में बदल रहे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स का मानना है कि कीमतें अभी भी महत्वपूर्ण दीर्घकालिक सपोर्ट लेवल से ऊपर हैं। अगर ये स्तर बरकरार रहते हैं तो बाजार कुछ समय कंसोलिडेशन के बाद रिकवरी की ओर बढ़ सकता है लेकिन मैक्रो संकेत साफ होने तक उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा को इंडोनेशिया की एग्रीनास से मिला 35, 000 स्कॉर्पियो पिकअप की आपूर्ति का ठेका

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने इंडोनेशिया की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एग्रीनास पंगन नुसंतारा से अपने हल्के वाणिज्यिक वाहन स्कॉर्पियो पिक-अप की 35, 000 इकाइयों की आपूर्ति का ठेका मिलने की बुधवार को जानकारी दी। दक्षिण-पूर्व एशियाई देश में एक सहका कोपेरासी देसा/केलुराहन मेराह पुतिह (केडीकेएमपी) परियोजना के लिए ये पिक-अप वाहन देश भर में स्थापित की जा रही कोपेरासी (सहकारी समितियों) के लिए लॉजिस्टिक व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कंपनी ने बताया कि वाहनों के इस ठेके से वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी द्वारा किए गए कुल निर्यात का आंकड़ा पार हो गया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (ऑटोमोटिव डिवीजन) नलिनीकांत गोलागुंटा ने कहा, '' इसके लिए प्रतिबद्ध मात्रा हमारे अंतरराष्ट्रीय परिचालन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगी जिससे वित्त वर्ष 2024-25 में हासिल की गई हमारी कुल निर्यात मात्रा के बराबर वृद्धि होगी।

टी20 वर्ल्ड कप : धोनी ने बताया सबसे बड़ा खतरा, भारतीय टीम को रहना होगा सतर्क

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले टीम इंडिया की खिताब बचाने की उम्मीदों को लेकर एमएस धोनी ने बड़ा बयान दिया है। पूर्व भारतीय कप्तान का मानना है कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम में अनुभव, संतुलन और मैच जिताने की क्षमता है, लेकिन उन्होंने एक ऐसे फैक्टर की ओर इशारा किया है जो नॉकआउट मुकाबलों में पूरा खेल पलट सकता है। मेजबान और डिफेंडिंग चैंपियन होने के बावजूद धोनी की यह चेतावनी टीम इंडिया के लिए अहम मानी जा रही है।

एमएस धोनी ने टीम इंडिया की ताकत पर खुलकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि यह टीम हर लिहाज से पूरी है और इसमें वही चीजें मौजूद हैं जो किसी चैंपियन टीम के लिए जरूरी होती हैं। धोनी के मुताबिक, इस फॉर्मेट में भारतीय खिलाड़ियों का अनुभव बेहद अहम है और वे दबाव की परिस्थितियों में खेलने के आदी हैं। यही कारण है कि यह टीम विपक्षियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन सकती है।

धोनी ने यह भी समझाया कि इस भारतीय टीम को दूसरों से अलग क्या बनाता है। उनके अनुसार, हर खिलाड़ी अपनी भूमिका को अच्छे से समझता है और लंबे समय से उसी रोल में खेलता आ रहा है। ऐसे में बड़े मुकाबलों में घबराहट की गुंजाइश कम रहती है। नॉकआउट क्रिकेट में यही स्पष्टता अक्सर जीत और हार के बीच फर्क तय करती है।

हालांकि, भरोसे के साथ-साथ धोनी ने एक बड़ी चिंता भी जाहिर की। उन्होंने साफ कहा कि उन्हें ओस बिल्कुल पसंद नहीं है। उनके मुताबिक, ओस मैच की परिस्थितियों को पूरी तरह बदल देती है और टॉस को बेहद अहम बना देती है। गेंदबाजों के लिए गीली गेंद से नियंत्रण मुश्किल हो जाता है, खासकर स्पिनर्स का असर कम हो जाता है, जिससे मुकाबला एकतरफा भी हो सकता है।

चालू वित्त वर्ष में जीईएम पोर्टल से खरीद अबतक चार लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चालू वित्त वर्ष में अब तक सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) के माध्यम से सामान और सेवाओं की खरीद चार लाख करोड़ रुपए को पार कर गई है, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा 50 लाख से अधिक खरीद और बिक्री ऑर्डर दिए गए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। जीईएम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मिहिर कुमार ने कहा कि सार्वजनिक खरीद ऑर्डर का लगभग 45 प्रतिशत सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को दिया गया है, जो 25 प्रतिशत की अनिवार्य आवश्यकता से अधिक है।

सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल को नौ अगस्त, 2016 को केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों के लिए ऑनलाइन सामान और सेवाओं की खरीद के लिए पेश किया गया था। इसके पेश होने के बाद अब तक 17.33 लाख करोड़ रुपए मूल्य की सरकारी खरीदारी इसी पोर्टल के माध्यम से हुई है। मिहिर कुमार ने कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक (जीईएम) पोर्टल पर 50 लाख से अधिक खरीद ऑर्डर प्राप्त हुए हैं, जिनका मूल्य चार लाख करोड़ रुपए है। उम्मीद है कि यह खरीदारी पिछले साल के स्तर को पार कर जाएगी।' वित्त वर्ष 2024-25 में पोर्टल पर 72 लाख ऑर्डर दिए गए थे, जिनका मूल्य 5.43 लाख करोड़ रुपए था। जीईएम पर वर्तमान में 1.5 लाख से अधिक सरकारी खरीदार और 62 लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता हैं, जो विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की पेशकश करते हैं। फिलहाल, सरकारी विभाग, मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, राज्य सरकारें और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल इस पोर्टल के माध्यम से लेनदेन कर सकते हैं।

सत्यमेव जयते
GeM Government e Marketplace
Efficient • Transparent • Inclusive

डब्ल्यूपीएल फाइनल 2026: आरसीबी की नजर दूसरे खिताब पर, दिल्ली कैपिटल्स फाइनल हार का मिथक तोड़ने उतरेगी

वडोदरा **(एजेंसी)**। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) का फाइनल गुरुवार को वडोदरा में खेला जाएगा, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दूसरी बार खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगी। वहीं, पिछले तीन सीजन से फाइनल में हार झेल रही दिल्ली कैपिटल्स इस बार इतिहास बदलने और खिताबी मिथक तोड़ने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। दोनों टीमों के हालिया फॉर्म को देखते हुए मुकाबले के रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है।

स्मृति मंधाना की अगुवाई में आरसीबी ने इस सत्र में हर विभाग में संतुलित प्रदर्शन किया है। टीम ने लगातार पांच जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत कर इतिहास रचते हुए डब्ल्यूपीएल में ऐसा करने वाली पहली टीम बनने का गौरव हासिल किया। मुश्किल हालात में वापसी करने की क्षमता ने आरसीबी को इस सीजन की सबसे खतरनाक टीमों में शामिल कर दिया है। आरसीबी के कुछ बल्लेबाजों – स्मृति मंधाना, ग्रेस हैरिस, जॉर्जिया वोल और ऋचा घोष – के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी जरूर दिखी है, लेकिन अहम मौकों पर इन्हीं खिलाड़ियों ने टीम को जीत दिलाई है। यूपी वॉरियर्स के खिलाफ ग्रेस हैरिस की 75 रन की तूफानी पारी और गुजरात जायंट्स के खिलाफ गौतमी नाइक की 73 रन की पारी इसका बड़ा उदाहरण रही।

तेज गेंदबाज नादिन डी क्लर्क और सायली सतघरे ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। डी क्लर्क ने आठ मैचों में 15 विकेट लेकर विरोधी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है, जिसमें 22 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। स्पिन विभाग में श्रेयांका पाटिल ने गुजरात जायंट्स के खिलाफ पांच विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है। नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन मजबूती दिखाई है। पिछले तीन फाइनल हारने के बाद टीम इस बार खिताब जीतने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रही है। गेंदबाजी में चिनले हेनरी और नंदनी शर्मा की जोड़ी ने नई गेंद से शानदार प्रदर्शन किया है।

नंदनी शर्मा इस सत्र में अब तक 16 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली गेंदबाजों में शामिल रही हैं। उनका निरंतर प्रदर्शन भारतीय टीम में जगह बनाने के दावे को भी मजबूत करता है। वहीं चिनले हेनरी ने अहम मौकों पर विकेट निकालकर टीम को बढ़त दिलाई है।

बीएचईएल को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज से 1 200 से 1, 500 करोड़ रुपए का ठेका मिला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। सार्वजनिक क्षेत्र की बीएचईएल को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज से 1200-1500 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। बीएचईएल ने बुधवार को बताया कि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की इकाई आदित्य एल्युमिनियम से इस संबंध में आशय पत्र (एलओआई) मिला है। इसमें दो गुणा 150 मेगावाट बीटीजी (बॉयलर, टर्बाइन व जनरेटर) पैकेज के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, स्थान उपलब्ध कराना, 'अनलोडिंग' व भंडारण, स्थापना, उसे चालू करना और गारंटी परीक्षण आदि शामिल हैं।

बीएचईएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि यह परियोजना ओडिशा के संबलपुर जिले के लपंगा में करीब तीन वर्ष की अवधि में पूरी की जाएगी। भारी उद्योग मंत्रालय के तहत आने वाली बीएचईएल ऊर्जा तथा अवसंरचना क्षेत्रों में भारत के सबसे बड़े इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनियों में से एक है। यह विश्व स्तर पर अग्रणी विद्युत उपकरण विनिर्माता है।

फैशन या नग्नता? ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 में चैपल रोन के गाउन ने मचाया तहलका, ट्रोलर्स बोले- 'सिर्फ अटेंशन पाने का ड्रामा!'

ग्रैमी अवॉर्ड्स 2026 का मंच हमेशा से ही अपने संगीत और अनूठे फैशन के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन इस बार 'हॉट टू गो' फेम गायिका चैपल रोन का रेड कार्पेट लुक टॉक ऑफ द टाउन बन गया है। उनके बोल्ड और आर्टिस्टिक 'मुलर' गाउन ने इंटरनेट को दो धड़ों में बांट दिया है। 68वें वार्षिक ग्रैमी अवॉर्ड्स में चैपल रोन ने जैसे ही कदम रखा, कैमरे उनकी ओर मुड़ गए। उन्होंने मुलर द्वारा डिजाइन किया गया एक कस्टम शीयर गाउन पहना था, जिसने सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाओं का तूफान खड़ा कर दिया।

चैपल रोन का यह लुक कोई साधारण फैशन चॉइस नहीं था। यह लेजेंडरी डिजाइनर मैनफ्रेड थियरी मुलर के 1998 के स्प्रिंग/समर 'ज्यू डी पॉम' कॉउचर कलेक्शन से प्रेरित था। इस ऐतिहासिक लुक को फैशन हाउस मुलर के डिजाइनर मिगुएल कास्त्रो फ्रीटास ने 2026 के लिए नए सिरे से तैयार किया था।

ऑनलाइन चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए, चैपल रोआन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'हंस रही हूँ क्योंकि मुझे नहीं लगता कि यह इतना भी अजीब आउटफिट है। यह लुक सच में बहुत शानदार और अजीब है। मैं सलाह दूंगी कि आप अपनी मर्ज़ी का इस्तेमाल करें, यह सच में मज़ेदार और सिली है : डी मुझे ग्रैमी में बुलाने के लिए और जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, उन सभी का धन्यवाद।' जिन्हें नहीं पता, चैपल रोआन का लुक मैनफ्रेड थियरी मुगलर के लेजेंडरी स्प्रिंग/समर 1998 'जेउ डे पॉम' कॉउचर कलेक्शन से इंस्पायर्ड था।

सनी लियोनी हुईं ऊप्स मोमेंट का शिकार, फिर पति ने किया ये काम, वीडियो हो रहा वायरल

बॉलीवुड से लेकर साउथ की मूवीज में नजर आने वाली पॉपुलर एक्ट्रेस सनी लियोनी इन दिनों शो 'स्प्लिट्सविला 16' को होस्ट कर रही हैं। शो को पसंद किया जा रहा है और इससे जुड़े वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इसी बीच सनी लियोनी का का एक वीडियो लोगों के चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, वह एक इवेंट में अपने पति डैनियल वेबर के साथ पहुंची थीं। इस दौरान उन्होंने पैप्स को जमकर पोज देकर खुश कर दिया। इस इवेंट के दौरान सनी लियोनी ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गई। इसके बाद उनके पति डैनियल वेबर ने समझदारी दिखाई। एक्ट्रेस का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रह है।

सनी लियोनी और उनके पति डैनियल वेबर ने मुंबई में एक इवेंट में शिरकत की थी। इस दौरान सनी लियोनी ने ब्राउन कलर की डीपनेक वाली ड्रेस पहनी थी। इसमें वह काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आईं और पैप्स को फोटोज और वीडियोज लेने का पूरा मौका दिया। इस दौरान ऐसी घटना हुई कि वह हैरान रह गईं। दरअसल, सनी लियोनी पैप्स को पोज देते समय ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं लेकिन उनके पति डैनियल वेबर ने समझदारी दिखाती हुए अपनी पत्नी को इशारा किया और उन्होंने अपनी ड्रेस ठीक कर ली। सनी लियोनी का पल कैमरे में कैद हो गया और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। सनी लियोनी के इस नए वीडियो पर तमाम यूजर्स कमेंट कर रहे हैं।

सनी लियोनी के इंडियन सिनेमा में करियर पर नजर डालें तो उन्होंने साल 2009 में रिलीज हुई फिल्म 'जिस्म 2' से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड से लेकर साउथ की तमाम मूवीज में काम किया है। सनी लियोनी ने 'जिस्म 2' के बाद 'जैकपॉट', 'रागिनी एमएमएस 2', 'हेट स्टोरी 2', 'एक पहेली लीला', 'मस्तीजादे', 'वन नाइट स्टैंड' जैसी मूवीज में काम किया है। एक्ट्रेस की पाइपलाइन में अभी कई मूवीज हैं। सनी लियोनी ने फिल्मों के अलावा म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शोज में नजर आती हैं। सनी लियोनी निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 2011 में डैनियल वेबर के साथ शादी की थी। इस कपल के तीन बच्चे हैं, इसमें दो सरोगेसी से दो जुड़वा बेटे हैं और एक बेटी को गोद लिया था।

लापता

नाम : अली अहमद उर्फ सिध्दू

उम्र : २५ लंबाई: ५ फुट ६ इंच

रविवार दिनांक. ०१.०२.२०२६ रात ६.३० बजे से घणसोली गाव से गुमशूदा है. कृपया करके जिन को इनका पता चले तो निचे दिये इस नंबर पर सुचित करे.

मो. 6388302082-8604756252-8090037218-7800635407

सुचना देनेवाले को सम्मान जनक ईनाम दिया जायेगा

हर्बल गुटका से तम्बाकू की लत छुड़ाकर केंसर से बचें - डॉ जी एस तोमर

प्रयागराज। विश्व कैंसर दिवस कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक वैश्विक स्वास्थ्य कार्यक्रम है । 4 फरवरी, 2000 को पेरिस में नव सहस्राब्दी के लिए विश्व कैंसर विरोधी शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया । जिसने विश्व कैंसर दिवस की शुरुआत को चिह्नित किया। तभी से हर साल 4 फरवरी को यह दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य कैंसर की पहचान, उपचार और रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को शिक्षित करना है। इस दिन, दुनिया भर के विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय संगठनों के लोग कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बेहतर स्क्रीनिंग, निदान उपकरण, शीघ्र निदान और उन्नत उपचार विकल्पों की आवश्यकता के लिए एकजुट होते हैं। इस वर्ष 2026 के विश्व कैंसर दिवस का विषय (थीम) है 'यूनाइटेड बाय यूनिक' (अद्वितीयता द्वारा एकजुट) । जो व्यक्तिगत अनुभवों को सामूहिक आवाज़ में बदलने की बात करता है। यह यूनियन फॉर इण्टरनेशनल केंसर कंट्रोल (यूआईसीसी) द्वारा संचालित एक वैश्विक अभियान है।

कैंसर के खिलाफ यह एकजुटता सही समय पर जांच (स्क्रीनिंग) और उपचार के महत्व पर जोर देती है। इसकी

रोकथाम के संबंध में यह बताना आवश्यक है कि केंसर के जोखिम को कई तरीकों से कम किया जा सकता है । जैसे कि फलों और सब्जियों से भरपूर और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और लाल मांस से कम पौष्टिक आहार का सेवन करें। नियमित व्यायाम और स्वस्थ वजन बनाए रखना, तंबाकू उत्पादों के सेवन से परहेज करना, शराब का सेवन न करना , पराबैंगनी किरणों से बचाव के उपायों में सनस्क्रीन का उपयोग करना और सुरक्षात्मक कपड़े पहनना शामिल है । नियमित रूप से अनुशंसित कैंसर जांच में भाग लेना, पर्यावरण में मौजूद हानिकारक रसायनों के संपर्क से बचना, कैंसर पैदा करने वाले ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) वायरस के खिलाफ टीकाकरण कराना आदि हैं । केंसर के बचाव के सम्बन्ध में विश्व आयुर्वेद मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रो(डॉ0) जी एस तोमर के अनुसार हर दो मिनट पर एक कैंसर मरीज की मौत हो जाती है, यह अत्यंत दुखद है । कैंसर से होने वाली अधिकतर मौतें तंबाकू और तंबाकू जनित पदार्थों के सेवन की वजह से होती हैं । विश्व कैंसर दिवस पर नशा को ना कह लोगों के बीच कैंसर के बचाव के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प लेना चाहिए । उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर कैंसर से बच सकते हैं। कैंसर के प्रति जागरूकता एवं बचाव ही सबसे बेहतर इलाज है। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर कैंसर के सटीक निदान, गुणवत्तापूर्ण उपचार, रोगियों के पुनर्वास और स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने की दिशा में हम सभी को अपनी भागीदारी निश्चित करनी होगी। तम्बाकू युक्त गुटका की लत को छुड़ाने के लिए डॉ तोमर ने धनिया, सोंफ, काली मिर्च, छोटी पिप्पली, सोंठ, मुलैठी, दालचीनी, छोटी व बड़ी इलायची आदि औषधियों को मिलाकर हर्बल गुटका तैयार किया है । जिससे सैकड़ों लोग तम्बाकू युक्त गुटके की लत से मुक्त हो सके हैं । यह गुटका हानिकारक न होकर पाचन शक्ति को दुरुस्त करता है तथा इसकी आदत भी नहीं पड़ती । डॉ तोमर ने अपने चालीस वर्षों के चिकित्सा अनुभव को साझा करते हुए बताया कि प्राथमिक अवस्था के केंसर आयुर्वेद उपचार से साध्य हैं तथा एडवांस स्टेज में पहुँचने पर आयुर्वेद चिकित्सा से न केवल रोगी की आयु में कुछ दिन, महीने या वर्ष जोड़े जा सकते हैं अपितु रोगी के दैनिक जीवन की गुणवत्ता में संतोषजनक सुधार भी होता है तथा इन औषधियों के प्रयोग से कीमोथेरेपी एवं रेडियोथेरेपी के घातक दुष्प्रभाव भी न्यूनतम हो जाते हैं ।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पूर्व वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन देबनाथ त्रिपाठी का निधन

वाराणसी । बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के 'इन्स्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस' के पूर्व वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन और वाराणसी के भेलुपुरा निवासी श्री. देबनाथ त्रिपाठी का 31 जनवरी 2026 को मुंबई में हृदय गति रुकने से निधन हो गया। पिछले ही महीने में उन्होंने अपना 80 वा जन्मदिन मनाया था ?। बी एच यू की सेवा से वह 2006 में सेवानिवृत्त हुए थे । वह अपने पीछे पत्नी, मुंबई में के इ एम अस्पताल में कार्यरत

पुत्र डॉ. सूर्यनाथ त्रिपाठी, दिल्ली में रहने वाली पुत्री, दामाद, बहू, पोते-पोतियां और कई रिश्तेदार और परिजनों को छोड़ गए हैं।

श्री देब नाथ त्रिपाठी ने अपने कार्यकाल के दौरान बीएचयू के इन्स्टिट्यूट ऑफ़ मेडिकल साइंसेस में पेडियेट्रिक्स और बायोकेमिस्ट्री विभागों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका अंतिम संस्कार हाल ही में वाराणसी में धार्मिक परंपरा के अनुसार किया गया ।

उधमपुर में जैश की साजिश नाकाम, गुफा में छिपे दो पाकिस्तानी आतंकी मारे गए

उधमपुर। बुधवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और संदिग्ध आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों द्वारा मजालता इलाके के चारों ओर घेरा कड़ा करने के दौरान दो पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं। उनकी पहचान जब्बार और मावी के रूप में हुई है। घटनास्थल से भारी गोलीबारी की सूचना मिली है और अभियान अभी भी जारी है। उनके ठिकाने की सूचना मिलने के बाद, सुरक्षा बलों ने भागने के सभी रास्ते बंद करने के लिए पूरे इलाके को घेर लिया।

आतंकवादी एक गुफा में छिपे हुए पाए गए, जिसके बाद तुरंत और भीषण गोलीबारी शुरू हो गई। सुरक्षा बलों ने दोनों आतंकवादियों के सटीक ठिकाने का पता लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। उनकी स्थिति की पुष्टि होते ही, सुरक्षा कर्मियों ने रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल करके उन्हें खत्म कर दिया। मंगलवार शाम को आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाकर भागने की कोशिश की, जिसके चलते गोलीबारी और विस्फोटों का एक नया दौर शुरू हो गया। इसके बाद पैराट्रूपर्स और डॉग स्क्वाड समेत अतिरिक्त सुरक्षा बलों को घेराबंदी और कड़ी करने के लिए भेजा गया। सुरक्षा बलों ने ड्रोन की मदद से दोनों आतंकवादियों की सटीक लोकेशन का पता लगाया। उनकी लोकेशन की पुष्टि होते ही सुरक्षाकर्मियों ने रॉकेट लॉन्चर से उन्हें खत्म कर दिया।

राहुल गांधी के 'गद्दार' बयान पर हरदीप सिंह पुरी का पलटवार, कहा- यह सिखों का अपमान

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने गुरुवार को सरदार रवनीत सिंह बिट्टू पर राहुल गांधी की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें 'गद्दार' कहना शालीनता, मर्यादा और गरिमा की सभी सीमाओं को पार करता है।

एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधाराओं को चुनने मात्र के लिए एक सिख नेता के प्रति ऐसी टिप्पणी करना अन्यायपूर्ण है, जिनके पूर्वजों का नरसंहार आतंकवादियों ने किया था।

पुरी ने लिखा कि जिस तरह राहुल गांधी ने सांसद और सम्मानित सिख नेता सरदार रवनीत सिंह बिट्टू को 'गद्दार' कहा है, वह शालीनता, मर्यादा और गरिमा की सभी सीमाओं को पार करता है। यह पूरी तरह संभव है कि वे बिट्टू के प्रति गहरी नाराजगी रखते हों क्योंकि उन्होंने दिशाहीन कांग्रेस के बजाय मोदी सरकार की विकास नीतियों को चुना। लेकिन, यह किसी भी तरह से एक गौरवशाली सिख के खिलाफ इस तरह के अपमानजनक कृत्य को उचित नहीं ठहरा सकता, जिनके दादाजी का नरसंहार आतंकवादियों ने किया था।

उन्होंने आगे कहा कि रवनीत सिंह बिट्टू को गद्दार कहना पूरे सिख समुदाय का अपमान है। उन्होंने कहा कि किसी को 'गद्दार मित्र' कहना मतलब उसने अपने देश के साथ विश्वासघात किया है। गांधी जी के भले ही कई मित्र गद्दार रहे हों, लेकिन बिट्टू उनमें से नहीं हैं। बिना किसी आधार के एक प्रतिष्ठित सिख को गद्दार कहना पूरे सिख समुदाय पर कलंक है। केंद्रीय मंत्री ने राष्ट्र की रक्षा के लिए गुरु साहिबों और साहिबजादों के साहस, देशभक्ति और बलिदानों को याद करते हुए सिख धर्म में सिखाए और प्रचारित किए जाने वाले मातृभूमि के प्रति शांति और प्रेम के संदेश पर प्रकाश डाला। पुरी ने लोकसभा विपक्ष के नेता की आलोचना करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी अपमानजनक और सभी बहादुर सिख नेताओं का अपमान है।

श्रीकृष्णार्पित गीतायन - अध्याय 8

समग्र बोध योग

माघ मेला, प्रयागराज स्थित कृष्णार्पित पंडाल में आठवें दिवस की कथा

माघ मेला प्रयागराज के कृष्णार्पित पंडाल तले, इंजीनियर देवेंद्र नाथ शुक्ल कृष्णार्पित वाणी में बोले –

'हे श्रद्धालुओं! यही प्रश्न हर जीव के जीवन का है, अन्त समय में किसका स्मरण मोक्ष का कारण बनता है।' **केशव तब अर्जुन से बोले,**

गंभीर भाव मुस्कान सँजोले –
जो अन्त काल में मेरा ध्यान,
चित्त अचल रख करता है।
प्राणों को भ्रू-मध्य ठहराकर ,
योग-बल से जो टिकता है।
ॐ अक्षर का उच्चारण कर,
मुझमें मन जो धरता है।
वह नर मुझको ही पाता है,
पुनर्जन्म से मुक्त हो जाता है।
अन्तकाले च मामेव
स्मरन्मुक्त्वा कलेवरम्।
यः प्रयाति स मद्भावं
याति नास्त्यत्र संशयः।।5।।

जो अन्त समय मुझको स्मरता,
मेरा ही स्वरूप वह धरता।
संशय इसमें लेश न कोई,
यह रहस्य स्वयं मैं कहता।
जीवन भर जिस भाव में रहता,
अन्त समय वही फल देता।
मन की गहराई में जो बसता,
मृत्यु द्वार पर वही उभरता।
यं यं वापि स्मरन्भावं
त्यजत्यन्ते कलेवरम्।
तं तमेवैति कौन्तेय
सदा तद्भावभावितः।।6।।
अतः हे पार्थ! जीवन भर,
जिस भाव को तुम सींचो।
वही बीज अन्त में फल देगा,
इसी सत्य को पहचानो।
कृष्णार्पित तब कहते हैं –
'यही साधना का मूल मंत्र है।
ध्यान केवल अन्त का नहीं,
पूरा जीवन ही ध्यान यंत्र है।'
जो निरंतर मेरा स्मरण,
कर्मों में भी जोड़ा है।
उसका मन संसार में रहते,
मेरे संग ही जोड़ा है।
तस्मात्सर्वेषु कालेषु
मामनुस्मर युध्य च।
मय्यर्पितमनोबुद्धिः
मामेवैष्यस्यसंशयः।।7।।
इसलिए हर काल में अर्जुन,
मेरा स्मरण रखो मन में।
कर्म करो, युद्ध भी करो,
पर बुद्धि अर्पित हो मुझमें।
ऐसा योग सहज होता है,
भक्तों को दुर्लभ नहीं।
प्रेम, स्मरण और निष्काम कर्म,
यही अक्षर ब्रह्म की सही धनी।
माघ मेला की उस धरा पर,
कथा बहती अविराम।
श्रद्धालु सुनकर भाव-विभोर,
जपने लगे हरि नाम।
कृष्णार्पित की वाणी बोली –
'अक्षर ब्रह्म कोई दूर नहीं,
जो हर क्षण कृष्ण में जीता है,
उसका जीवन ही गीता है।'

बीच समुंदर बड़ी कार्रवाई, अमेरिका ने मार गिराया ईरानी ड्रोन, खामनेई की धमकी से हड़कंप!

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार (6 फरवरी) को दोनों पक्षों के अधिकारियों की ईरान के परमाणु कार्यक्रम और अन्य मुद्दों पर बैठक होने की उम्मीद है, इसी बीच तेहरान ने अरब सागर से गुजर रहे एक अमेरिकी विमानवाहक पोत की ओर ड्रोन भेजा।

जवाब में अमेरिकी सेना ने उसे मार गिराया। अमेरिकी सेना के अनुसार, 3 फरवरी को ईरान के शाहेद-130 ड्रोन ने अरब सागर से गुजर रहे यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत की ओर आक्रामक रूप से हमला किया। यह पोत ईरान के दक्षिणी तट से लगभग 500 मील दूर था। इसके जवाब में अमेरिकी युद्धपोत ने एफ-35सी लड़ाकू विमान से ड्रोन को मार गिराया। ईरानी ड्रोन की यह गतिविधि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को नाराज कर सकती है, जो ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर रहे हैं। यह कदम यूएसएस अब्राहम लिंकन की सैन्य शक्ति को दर्शाता है, जिसे अमेरिकी नौसेना दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत बताती है।

मंगलवार को घटी घटनाओं का वर्णन करते हुए, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने बताया कि अमेरिकी सेना ने एक ईरानी ड्रोन को मार गिराया, जब वह मानवरहित विमान यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत की ओर आक्रामक रूप से बढ़ रहा था। यह

पोत अरब सागर में ईरान के दक्षिणी तट से लगभग 500 मील दूर स्थित था। हॉकिन्स ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी सेना द्वारा तनाव कम करने के उपाय किए जाने के बावजूद, ईरानी ड्रोन पोत की ओर बढ़ता रहा।' उन्होंने आगे बताया कि लिंकन के एक एफ-35सी लड़ाकू विमान ने पोत और उसके कर्मियों की सुरक्षा के लिए ड्रोन को मार गिराया। हॉकिन्स ने यह भी बताया, इस घटना में कोई भी अमेरिकी सैनिक घायल नहीं हुआ और न ही किसी अमेरिकी उपकरण को नुकसान पहुंचा। ईरानी मीडिया, तसनीम न्यूज एजेंसी ने भी पुष्टि की कि अरब सागर के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में जासूसी, निगरानी और फिल्मांकन मिशन पर निकले इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ड्रोन से ईरान का संपर्क टूट गया।

घटनाओं ने अमेरिकी विमानवाहक पोत के बारे में लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है, जिसका नाम संयुक्त राज्य अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के नाम पर रखा गया है। रक्षा विश्लेषक यूएसएस अब्राहम लिंकन को अमेरिकी संकल्प और तकनीकी कौशल का प्रतीक मानते हैं। गल्फ न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएसएस अब्राहम लिंकन सिर्फ एक जहाज नहीं है: यह युद्ध का तैरता हुआ शहर है, एक तकनीकी चमत्कार है और अमेरिकी नौसैनिक प्रभुत्व का प्रतीक है।

जामनगर एयरबेस पर गरजे दक्षिण कोरियाई फाइटर जेट्स

ब्लैक ईगल्स टीम की आईएएफ ने की जोरदार मेजबानी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) ने बताया कि भारतीय वायु सेना ने जामनगर में पारगमन के दौरान ब्लैक ईगल्स एरोबेटिक टीम के नौ टी-50बी विमानों और एक सी-130 सहित दक्षिण कोरियाई वायु सेना के दल को सहायता प्रदान की।

एक पोस्ट में लिखा गया है, शुभ लैंडिंग। जय हिंद। सऊदी अरब के सैन्य उद्योग प्राधिकरण द्वारा स्थापित, विश्व रक्षा प्रदर्शनी 2026 विश्व भर के तकनीकी विकास के माध्यम से रक्षा एकीकरण के भविष्य को प्रदर्शित करेगी। अंतर्राष्ट्रीय रक्षा समुदाय से जुड़ें और अद्वितीय नेटवर्किंग, विश्व स्तरीय प्रदर्शनी सुविधाओं और गतिशील लाइव प्रदर्शनों का भरपूर अनुभव करें।

विश्व रक्षा प्रदर्शनी का तीसरा संस्करण 8 से 12 फरवरी तक आयोजित होने जा रहा है, जिसका आयोजन दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक, राजा सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद के शाही संरक्षण में किया जा रहा है। उन्नत प्रदर्शनी सुविधाओं की एक श्रृंखला प्रस्तुत करते हुए, विश्व रक्षा प्रदर्शनी 2026 का उद्घाटन महामहिम राजकुमार खालिद बिन सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद, रक्षा मंत्री और गामी के निदेशक मंडल के उपाध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

विश्व रक्षा प्रदर्शनी वैश्विक रक्षा उद्योग के लिए नेटवर्किंग, साझेदारी बनाने, विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने और अभूतपूर्व नवाचारों को उजागर करने का एक अनूठा मंच है। 2024 में इसने 773 प्रदर्शकों की मेजबानी की, 116 देशों के 441 आधिकारिक प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया, 106, 000 व्यापारिक आगंतुकों को आकर्षित किया और 26 अरब सऊदी रियाल के सौदों को सुगम बनाया। ये उपलब्धियां सऊदी अरब की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और रक्षा उद्योग में इसकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा का प्रमाण हैं।

तिब्बत में भूकंप के दो झटके, उथले झटके ने बढ़ाई चिंता, आफ़्टरशॉक्स का अलर्ट

ल्हासा **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के एक बयान के अनुसार, बुधवार को तिब्बत में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र 110 किलोमीटर की गहराई पर था। तिब्बत में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र मात्र 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर था, जिससे इसके बाद के झटकों की आशंका है।

एनसीएस ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, भूकंप की तीव्रताः 3.2, दिनांकः 03/02/2026 10:17:43 घ्रउ, अक्षांशः 28.80 उत्तर, देशांतरः 87.30 पूर्व, गहराईः 10 किलोमीटर, स्थानः तिब्बत भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में अधिक खतरनाक होते हैं। इसका कारण यह है कि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों को सतह तक पहुंचने के लिए कम दूरी तय करनी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप जमीन में अधिक कंपन होता है और संरचनाओं को अधिक नुकसान और अधिक जानमाल का नुकसान होने की संभावना रहती है। तिब्बती पठार विवर्तनिक प्लेटों के टकराव के कारण अपनी भूकंपीय गतिविधि के लिए जाना जाता है। तिब्बत और नेपाल एक प्रमुख भूवैज्ञानिक भ्रंश रेखा पर स्थित हैं, जहां भारतीय विवर्तनिक प्लेट यूरेशियन प्लेट में ऊपर की ओर धकेलती है, और इसके परिणामस्वरूप भूकंप नियमित रूप से आते रहते हैं। यह क्षेत्र विवर्तनिक उत्थान के कारण भूकंपीय रूप से सक्रिय है, जो इतना मजबूत हो सकता है कि हिमालय की चोटियों की ऊंचाई को भी बदल दे। तिब्बती पठार की उच्च ऊंचाई भारतीय और यूरेशियन प्लेटों के टकराव के कारण भूपर्पटी के मोटे होने से प्राप्त होती है, जिससे हिमालय का निर्माण हुआ। पठार के भीतर भ्रंश स्ट्राइक-स्लिप और सामान्य तंत्रों से संबंधित है। पठार पूर्व-पश्चिम दिशा में फैला हुआ है, जैसा कि उत्तर-दक्षिण दिशा में फैले ग्रैबेन, स्ट्राइक-स्लिप भ्रंश और जीपीएस डेटा से प्रमाणित होता है।

ताइवान जलडमरू मध्य में फिर बढ़ा तनाव, चीन के 13 फाइटर जेट और 6 जहाजों ने की घेराबंदी

ताइपे **(एजेंसी)**। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक अपने क्षेत्रीय जलक्षेत्र के आसपास चीनी सैन्य विमानों की 13 उड़ानें और छह चीनी नौसैनिक जहाजों का पता लगाया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इनमें से 11 ने मध्य रेखा पार की और ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। ताइवान ने चीनी सैन्य विमानों के दो और चीनी नौसेना के छह जहाजों का पता लगाया। दोनों ही जहाजों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। एक पोस्ट में बताया गया है कि आज सुबह 6 बजे तक ताइवान के आसपास परिचालन कर रहे पीएलए विमानों के 2 और पीएलएएन जहाजों के 6 विमानों का पता चला। दोनों में से 2 जहाजों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी और दक्षिण-पश्चिमी रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया। हमने स्थिति पर नजर रखी और कार्रवाई की।

इस बीच, दक्षिण कोरिया और जापान ने सैन्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत नौ वर्षों में पहली बार अपने द्विपक्षीय नौसैनिक खोज और बचाव अभ्यास को फिर से शुरू करने पर सहमति जताई है। सियोल के रक्षा मंत्रालय ने देश के सरकारी मीडिया को यह जानकारी दी है। चीन और उत्तर कोरिया से बढ़ते सुरक्षा खतरों के बीच अमेरिका के इन दोनों सहयोगी देशों की यह बैठक हो रही है। पिछले साल के अंत में जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची की उस टिप्पणी के बाद से टोक्यो और बीजिंग के बीच संबंध भी बिगड़ गए थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि ताइवान पर चीनी हमला 'अस्तित्व के लिए खतरा' की स्थिति हो सकती है, जिससे जापान को सैन्य कार्रवाई करने की अनुमति मिल जाएगी। बीजिंग ताइवान को अपना क्षेत्र मानता है और बल प्रयोग सहित किसी भी स्थिति में एक दिन द्वीप पर नियंत्रण करने के अपने अधिकार को बरकरार रखता है। चीनी विदेश मंत्रालय के अनुसार, ताइवान चीन का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है, जो 1949 से मुख्य भूमि से अलग है। 'एक देश, दो व्यवस्था' नीति के तहत, चीन का पूर्ण एकीकरण देश और विदेश में रहने वाले सभी चीनी लोगों की साझा आकांक्षा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)